RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 129 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 03-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मैं हिंदी सीखूंगा, यह मेरा अधिकार है : मुरुगन

6 अतृप्त पितरों की शांति व मोक्ष के लिए पिशाचमोचन यात्रा

7 हॉलीवुड में कुछ बड़ा करना चाहती हैं प्रियंका चोपड़ा

फर्स्ट टेक

विजय के रोड शो को अनुमति देने से पुडुचेरी पुलिस का इनकार

पुडुचेरी/भाषा। पुडुचेरी पुलिस ने अभिनेता से नेता बने विजय के केंद्र शासित प्रदेश में पांच दिसंबर को प्रस्तावित रोड शो की अनुमति देने से मंगलवार को इनकार कर दिया। विजय की तमिलागा वेत्रि कषगम पार्टी ने कालापेट से कन्नैकोइल तक रोड शो करने और सोननपलयम पानी की टंकी के पास विजय को एक जनसभा को संबोधित करने की अनुमति मांगी थी। हालांकि, पुलिस द्वारा रोड शो की अनुमति नहीं दिए जाने के बाद टीवीके महासचिव बी. आनंद और आधव अर्जुन ने एक दिसंबर को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर अनुमति देने का अनुरोध किया।

पुतिन ने यूरोप पर यूक्रेन के साथ शांति प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया

मॉस्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को यूक्रेन के यूरोपीय सहयोगियों पर युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया। पुतिन ने कहा, ''उनके पास शांति का कोई एजेंडा नहीं है, वे युद्ध के पक्ष में हैं।'' पुतिन ने रूसी सत्ता प्रतिष्ठान 'क्रेमलिन' में अमेरिकी राजदूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता से पहले यह टिप्पणी की। रूसी राष्ट्रपति ने यूरोप पर शांति प्रस्तावों में संशोधन करने का आरोप लगाया, जिसमें ऐसी मांगें शामिल हैं, जो रूस को बिल्कुल अस्वीकार्य हैं।''

भारत-मालदीव संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एकुवेरिन' केरल में शुरू

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली/भाषा। भारत और मालदीव की सेनाओं के बीच दो सप्ताह का संयुक्त अभ्यास 'एकुवेरिन' मंगलवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में शुरू हुआ। इस सैन्य अभ्यास का उद्देश्य जंगल, अर्ध-शहरी और तटीय इलाकों में उग्रवाद-रोधी और आतंकवाद-रोधी अभियानों में अंतर-संचालन तथा परिचालन तालमेल को बढ़ावा देना है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना और मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एकुवेरिन' का 14वां संस्करण 2-15 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। उसने कहा कि गढ़वाल राइफल्स बटालियन के प्रतिनिधित्व वाला 45 कर्मियों का भारतीय सैन्य दस्ता एमएनडीएफ के समान संख्या वाले दस्ते के साथ इस अभ्यास में हिस्सा ले रहा है।

03-12-2025 सूर्यास्त 5:51 बजे | 04-12-2025 सूर्योदय 6:27 बजे

BSE	NSE
85,138.27	26,032.20
(-503.62)	(-143.55)

सोना	चांदी
13,373 रु.	181,385 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मरे देश का जिन्न

जो देश स्वयं ही मरा हुआ,
लोगों में रहती खींचतान।
सत्ता पाने मरते नेता,
मर गया जहां का संविधान।
जिनके ज़मीर तक मरे हुए,
नापाक मुल्क दिखता मसान।
ख़ुश हुए वहां कुछ लोग मगर,
जिंदा अब तक इमरान खान।

शांति की भाषा नहीं समझने वालों को

ऑपरेशन सिंदूर भारत के करारा जवाब का प्रमाण : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इस बात का सबूत है कि भारत उन लोगों को करारा जवाब देता है जो शांति और सद्भावना की भाषा नहीं समझते। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की तुलना सरदार वल्लभभाई पटेल की दृढ़ इच्छाशक्ति और नेतृत्व से की।

सिंह ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू सार्वजनिक धन से ''बाबरी मस्जिद'' बनवाना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने उनकी योजना सफल नहीं होने दी। सिंह ने पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा (एमवाई) भारत द्वारा आयोजित ''एकता मार्च'' के तहत गुजरात के वडोदरा जिले के साधली गांव में 'सरदार सभा' को संबोधित किया।

ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन के लिए सशस्त्र बलों के साहस और समर्पण की सराहना करते हुए सिंह ने कहा कि आज विश्व भारतीय सैनिकों की बहादुरी और क्षमताओं को स्वीकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि पटेल समस्याओं का समाधान हमेशा बातचीत के जरिये करने में विश्वास रखते थे। सिंह ने पटेल के भारत के पहले गृहमंत्री के रूप में कार्यकाल का हवाला देते हुए कहा, हालांकि जब सभी रास्ते बंद हो गए, तो वह कठोर रुख अपनाने में नहीं हिचकिचाये। जब हैदराबाद के विलय की आवश्यकता पड़ी, तो पटेल ने वही रुख अपनाया। यदि उन्होंने कठोर रुख नहीं अपनाया होता, तो शायद हैदराबाद भारत का हिस्सा नहीं बन पाता। सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने भी ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से इस मूल्य को कायम रखा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है : नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने मंगलवार को कहा कि मई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान बल के आक्रामक रुख के कारण पाकिस्तानी नौसेना को उसके बंदरगाहों के करीब रहने पर मजबूर होना पड़ा। एडमिरल त्रिपाठी ने अपने वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के साथ तनाव के बाद पिछले सात-आठ महीनों में पश्चिमी अरब सागर सहित अन्य स्थानों पर उच्च पैमाने पर अपने जहाजों और पनडुब्बियों को तत्परता के साथ तैनात रखा है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है, लेकिन उन्होंने इस बारे में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विमानवाहक पोत की तैनाती समेत आक्रामक रुख और तत्काल कार्रवाई ने पाकिस्तानी नौसेना को उसके बंदरगाहों या मकरान तट के पास रहने के लिए मजबूर कर दिया।

परीक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने 02 दिसंबर, 2025 को चंडीगढ़ में लड़ाकू विमान की एस्केप प्रणाली का हाई-स्पीड रॉकेट-स्लेज परीक्षण सफलतापूर्वक किया।

औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति के लिए भाषा महत्वपूर्ण : केंद्रीय मंत्री प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलने के लिए भाषा एक प्रमुख साधन है। उन्होंने औपनिवेशिक मानसिकता को 'मैकाले मानसिकता' करार दिया।

प्रधान ने वाराणसी में 'काशी तमिल संगमम 4.0' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर के ऊपर भगवा झंडा फहराने के लिए अयोध्या का दौरा किया था, तब उन्होंने देशवासियों से एक अपील की थी। भाजपा नेता ने कहा, 1835 में मैकाले नाम का एक आक्रांता भारत आया और उसने भारतीय सभ्यता के खिलाफ एक षड्यंत्र रचा। उसने भाषा को एक नकारात्मक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। भारत आज एक स्वतंत्र देश है। तब से 190 साल हो गए हैं और हमें औपनिवेशिक मानसिकता 'मैकाले मानसिकता' से बाहर आना होगा। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी पर 'निर्भर' रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रधान ने यह भी कहा कि जिन्हें कुछ नया करना है, उन्हें अपनी मातृभाषा तमिल, पंजाबी, गुजराती, मराठी और हिंदी में माहिर होना होगा, तभी वे समाज के लिए कुछ नया कर सकते हैं।

तमिल भाषा को उसका उचित सम्मान मिल रहा है : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि तमिल भाषा को उसका उचित सम्मान और राष्ट्रीय स्तर पर निरंतर समर्थन मिल रहा है।

काशी तमिल संगमम के चौथे संस्करण के लिए एक वीडियो संदेश में, उपराष्ट्रपति ने इस वर्ष के विषय 'आइए तमिल सीखें' का स्वागत करते हुए कहा कि यह भाषाई और सांस्कृतिक सद्भाव को मजबूत करता है। उन्होंने चेन्नई स्थित केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान द्वारा प्रशिक्षित 50 हिंदीभाषी तमिल शिक्षकों और समन्वयकों की पहल की भी सराहना की, जो 15 दिनों की अवधि में 50 सरकारी और निजी स्कूलों के 1,500 से अधिक छात्रों को बुनियादी तमिल सिखाने के लिए वाराणसी पहुंचे हैं।

यह आयोजन काशी और तमिलनाडु के बीच स्थायी सांस्कृतिक बंधन का जश्न है।

राधाकृष्णन ने कहा कि 2022 में काशी तमिल संगमम के आरंभ के बाद से, यह पहल एक प्रमुख राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित हुई है जो गंगा की संस्कृति और कावेरी की परंपराओं को एक साथ लाती है तथा उत्तर और दक्षिण की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।

तमिलनाडु और काशी के बीच प्राचीन सांस्कृतिक मार्गों की पुनः खोज के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने तेनकाशी से काशी तक प्रतीकात्मक अगथियार यात्रा का उल्लेख किया, जो दो दिसंबर को शुरू हुई और 10 दिसंबर को समाप्त होगी।

यह यात्रा पांड्य राजा अथिवीरा पराक्रम पांडियन द्वारा फैलाए गए एकता के संदेश का स्मरण कराती है, जिनकी यात्राओं ने तमिलनाडु को काशी से जोड़ा और तेनकाशी (तमिलनाडु का एक शहर जिसका नाम दक्षिणी काशी है) को उसकी पहचान दी।

संचार साथी ऐप स्वैच्छिक : सरकार

इसका इस्तेमाल उपयोगकर्ता की मर्जी पर निर्भर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संचार साथी ऐप को लेकर विपक्ष की चिंताओं के बीच संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह स्वैच्छिक और वैकल्पिक है और किसी भी तरह अनिवार्य नहीं है। इस ऐप को निजता के लिए खतरा बताये जाने को अफवाह करार हुए श्री सिंधिया ने कहा कि यह स्वैच्छिक ऐप है और इसका इस्तेमाल उपयोगकर्ता की इच्छा पर निर्भर है। उपयोगकर्ता चाहे तो अपने मोबाइल पर इसे सक्रिय करे या न करे और वह आसानी से इसे डिलीट भी कर सकता है।

सिंधिया ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश के हर नागरिक की डिजिटल सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। 'संचार साथी' ऐप का उद्देश्य है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी निजता की रक्षा कर सके और ऑनलाइन ठगी से सुरक्षित रह सके। यह एक पूरी तरह स्वैच्छिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था है। उपयोगकर्ता चाहें तो ऐप को सक्रिय कर इसके लाभ ले सकते हैं और न चाहें तो इसे अपने फ़ोन से आसानी से डिलीट कर सकते हैं।

उन्होंने संचार साथी ऐप को सुरक्षा, पारदर्शिता और कस्टमर-फर्स्ट दृष्टिकोण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि यह लगातार लोकप्रिय ऐप बन रहा है और लोग इस पर भरोसा कर रहे हैं। अब तक 20 करोड़ से ज्यादा लोग पोर्टल का उपयोग कर चुके हैं। डेढ़ करोड़ से ज्यादा यूज़र्स ऐप से जुड़े हुए हैं और नागरिकों द्वारा 'नॉट माई नम्बर' चुने जाने पर 1.43 करोड़ से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन डिस्कनेक्ट किए हैं। इससे 26 लाख मोबाइल फ़ोन ट्रेस हुए हैं जिनमें से 7.23 लाख फ़ोन सफलतापूर्वक नागरिकों को लौटाए गए। नागरिकों द्वारा रिपोर्ट किए गए 40.96 लाख फर्जी मोबाइल कनेक्शन डिस्कनेक्ट किए गए।

रुपया अबतक के सबसे निचले स्तर 89.96 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया मंगलवार को 43 पैसे लुढ़क कर अबतक के सबसे निचले स्तर 89.96 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 90 के स्तर पर पहुंच गया था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मुख्य रूप से डॉलर की कमी को पूरा करने के लिए सटोरियों की लगातार लिवाली और आयतकों की डॉलर मांग बनी रहने से रुपया में गिरावट आयी। इसके साथ विदेशी पूंजी की निकासी और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर बनी अनिश्चितता जैसे दबावों के कारण निवेशकों की धारणा कमजोर बनी हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 89.70 प्रति डॉलर पर खुला।

इंडोनेशिया, श्रीलंका और थाईलैंड में बाढ़ एवं भूस्खलन से 1300 से अधिक की मौत, बचाव कार्य तेज किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बटांग तोरु (इंडोनेशिया)/एपी। इंडोनेशिया, श्रीलंका और थाईलैंड में पिछले सप्ताह आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 1,300 से अधिक हो गई है, जबकि 800 से अधिक लोग लापता हैं। ऐसे में आपातकालीन दल मंगलवार को जीवित बचे लोगों तक पहुंचने और अधिक शवों को निकालने में जुटे रहे।

इन देशों में कई दिनों तक भारी बारिश होने से बहुत सारे इलाके जलमग्न हो गए जिससे हजारों लोग फंस गए। कई लोग छतों और पेड़ों पर बैठकर मदद की बाट जोह रहे हैं।

अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि बाढ़ और भूस्खलन में कम से कम 1,303 लोग मारे गए हैं, जिनमें से इंडोनेशिया में 712, श्रीलंका में 410 और थाईलैंड में 181 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने कहा कि मृतकों की सही संख्या बताना अभी जल्दबाजी होगी।

सबसे अधिक प्रभावित देश इंडोनेशिया में, बचावकर्मियों को सुमात्रा द्वीप के गांवों तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, जहां सड़कें बह गईं और पुल ढह गए। देश की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, कम से कम 507 लोग लापता हैं। हेलीकॉप्टर और नावें तैनात की गई हैं, लेकिन अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बिगड़ते मौसम और क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के कारण बचाव अभियान धीमा पड़ रहा है।

श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र ने मंगलवार को बताया कि सेना के नेतृत्व वाली बचाव टीम चक्रवात दित्वा के बाद बाढ़ से तबाह हुए इलाकों में 336 लोगों की तलाश में जुटी हैं, जो अब भी लापता हैं।

24वीं पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धासुमन

स्वर्गवास 03.12.2001

स्व. गेरीबाई घेवरचन्दजी भंडारी, सायला निवासी

आपका स्मरण करते हैं, मानो अभी कल की ही बात है,
वो प्यार, वो दुलार, वो आचरण, वो संस्कार।
जो आपने हमें दिए वह आज भी हमारे मानस पटल पर छाए हैं,
आपके आशीर्वाद से ही दिन की शुरुआत होती है और
आपको नमन कर ही सांझ की ज्योत जलती है।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु ✦ अशोक-मीना, प्रवीण-डिम्पल, रमेश-रेखा, विमल-कविता, आनन्द-कीर्ति
पौत्र-पौत्रवधु ✦ रितेश-निकिता, ऋषभ-स्वीटी, अजितेश-अरुणा, रोहन-शेखा
पौत्र-पौत्रिया ✦ राशि, पलक, वंश, साक्षी, अनन्या, कश्वी
पड़पौत्री ✦ नियती, मोक्षा पड़पौत्र ✦ दिवीत, चहित, आर्या, निवान, जैनम
एवं समस्त भण्डारी परिवार, सायला (बेंगलूर)

पुत्री-दामाद - सुशीला-जुठमलजी सेठ, भाग्यश्री-राजेशजी जैन,
पौत्री-दामाद - ईशा-राहुलजी सालेचा, रूचिका-चेतनजी सुराणा
दोहिता-दोहितावधु - अभिषेक-गुणवंती सेठ, स्पर्श-श्रुति जैन,
दोहित्री-दामाद - रसना-सिद्धार्थजी छाजेड़, कृति-अविजी भंडारी
पड़दोहित्री-दोहित्र- ख्याति, जियाना, दिव्यम सालेचा, मलंक, निर्वी सेठ, प्रिशी, समवित छाजेड़

फर्म ■ GAYATRI INDUSTRIES ■ MARUDHAR ENTERPRISES (INDIA), Bangalore

सरकारी धन से बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते थे नेहरू, लेकिन पटेल ने योजना सफल नहीं होने दी : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू सार्वजनिक धन से ''बाबरी मस्जिद'' बनवाना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने उनकी योजना सफल नहीं होने दी।

सिंह ने यह भी दावा किया कि नेहरू ने सुझाव दिया था कि पटेल की मृत्यु के बाद उनके स्मारक के निर्माण के लिए आम लोगों द्वारा एकत्रित धन का उपयोग कुओं और सड़कों के निर्माण के वास्ते किया जाना चाहिए। सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'एकता मार्च' के तहत वडोदरा के निकट साधली गांव में एक सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने पटेल को एक सच्चा उदारवादी और धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति बताया, जो कभी तुष्टीकरण में विश्वास नहीं करते थे।

सिंह ने कहा, ''पंडित जवाहरलाल नेहरू सार्वजनिक धन से (अयोध्या में) बाबरी मस्जिद का निर्माण कराना चाहते थे। अगर किसी ने इस प्रस्ताव का विरोध किया था, तो वह सरदार वल्लभभाई पटेल थे। उन्होंने सार्वजनिक धन से बाबरी मस्जिद का निर्माण नहीं होने दिया।'' उन्होंने कहा कि जब नेहरू ने गुजरात में सोमनाथ मंदिर के

जीर्णोद्धार का मुद्दा उठाया तो पटेल ने स्पष्ट किया कि मंदिर एक अलग मामला है, क्योंकि इसके जीर्णोद्धार के लिए आवश्यक 30 लाख रुपए आम लोगों द्वारा दान किए गए थे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सिंह ने कहा, ''एक ट्रस्ट का गठन किया गया था और इस (सोमनाथ मंदिर) कार्य पर सरकार का एक भी पैसा खर्च नहीं किया गया। इसी तरह, सरकार ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए एक भी रुपया नहीं दिया। पूरा खर्च देश की जनता ने वहन किया। इसे ही असली धर्मनिरपेक्षता कहते हैं।''

सिंह ने कहा कि सरदार पटेल प्रधानमंत्री बन सकते थे, लेकिन उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी किसी पद की लालसा नहीं की। रक्षा मंत्री ने कहा कि नेहरू के साथ वैचारिक मतभेदों के बावजूद, उन्होंने उनके साथ काम किया क्योंकि उन्होंने महात्मा गांधी को एक वचन दिया था।

उन्होंने दावा किया कि 1946 में नेहरू कांग्रेस के अध्यक्ष इसलिए बने क्योंकि पटेल ने गांधी की सलाह पर अपना नामांकन वापस ले लिया था। सिंह ने कहा, ''1946 में कांग्रेस के अध्यक्ष का चुनाव होना था। कांग्रेस कमेटी के अधिकांश सदस्यों ने वल्लभभाई पटेल के नाम का प्रस्ताव रखा। जब गांधीजी ने पटेल से अनुरोध किया कि वे नेहरू को अध्यक्ष बनने दें और अपना नामांकन वापस ले लें, तो पटेल ने तुरंत अपना नाम वापस ले लिया।

सिंह ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि कुछ राजनीतिक ताकतें पटेल की विरासत को मिटाना चाहती थीं। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका ने पटेल को इतिहास के पन्नों में एक चमकते सितारे के रूप में फिर से स्थापित किया।'' सिंह ने दावा किया कि ''कुछ लोगों'' ने पटेल की विरासत को छिपाने और मिटाने की कोशिश की, लेकिन जब तक भाजपा सत्ता में है, वे इसमें कामयाब नहीं होंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ने भारत, जॉर्जिया के बीच संसदीय सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को जॉर्जिया के उच्चस्तरीय संसदीय शिष्टमंडल के साथ द्विपक्षीय वार्ता की तथा दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग, नए संस्थागत सम्बन्धों और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, शिष्टमंडल का नेतृत्व जॉर्जिया की संसद के चेयरमैन शाल्वा पापुआशविली ने किया।

इस वार्ता के दौरान संसदीय सहयोग को बढ़ाने, नए संस्थागत संबंध स्थापित करने तथा व्यापार, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, ऊर्जा और जनसंपर्क सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को प्रोत्साहित करने के संबंध में चर्चा की गई। शिष्टमंडल का स्वागत करते हुए बिरला ने ताशकंद में 150वीं अंतर-संसदीय संघ की सभा के दौरान पापुआशविली से अपनी पूर्व में हुई बैठक की चर्चा की। उन्होंने भारत एवं जॉर्जिया के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक मित्रतापूर्ण संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने जॉर्जिया की संसद में सक्रिय रूप से कार्यरत जॉर्जियाभारत संसदीय मैत्री समूह की सराहना की और कहा कि भारत की संसद भारतजॉर्जिया संसदीय मैत्री समूह के गठन की प्रक्रिया में है, ताकि आपसी संसदीय संबंध और मजबूत हों। इससे पहले, आज सुबह पापुआशविली के नेतृत्व में जॉर्जिया के संसदीय शिष्टमंडल ने लोकसभा की कार्यवाही सदन में विशिष्ट दीर्घा में बैठकर देखी।

500 साल पुराने ताम्रपत्र को पढ़ा गया, अभिलेख में बहमनी काल के दौरान हुई लड़ाई का वर्णन

लातूर (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के लातूर स्थित एक कॉलेज संग्रहालय में संरक्षित 518 साल पुराने ताम्रपत्र को पहली बार हाल में पढ़ा गया और पाया गया कि इससे बहमनी काल के दौरान दो व्यक्तियों के बीच लड़ाई के बारे में जानकारी मिलती है। शोधकर्ता कृष्णा गुडाडे ने बताया कि 1507 ईस्वी का यह ताम्रपत्र लातूर के राजर्षि शाहू कॉलेज के संग्रहालय में मिला था। इसमें लातूर शहर के बाहरी इलाके में स्थित आज के खड़गांव ग्राम में चांदपीर दरगाह के पास, दुधल झील के पास 'सवारू' और 'विठोबा खंडागले (जाधव)' के बीच हुई हिंसक झड़प का विवरण दर्ज है। मध्यकाल में प्रचलित मराठी लिपि 'मोडी' में 30 पंक्तियों वाले दो ताम्रपत्रों पर अंकित अभिलेख में कहा गया है कि खंडागले मुठभेड़ में मारा गया और उसकी पत्नी मौके पर सती हो गई।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के भारत दौरे से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट

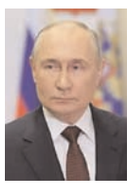

नई दिल्ली/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से पहले कई सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और अधिकारी राष्ट्रीय राजधानी में उनके मार्ग एवं कार्यक्रमों के मद्देनजर व्यापक सुरक्षा बंदोबस्त की तैयारी में जुटे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुतिन चार दिसंबर को दो दिवसीय दौरे पर दिल्ली पहुंचेंगे। रूसी राष्ट्रपति के विस्तृत यात्रा कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया गया है, लेकिन कड़ी सुरक्षा आवश्यकताओं के कारण ठहरने के स्थान सहित उनके प्रवास का सटीक विवरण अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था में शामिल सभी एजेंसियों को इस दौरे के दौरान लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्र ने बताया, उनके आगमन से लेकर उनके जाने तक, हर गतिविधि पर कई सुरक्षा एजेंसियां नज़र रखेंगी। हम पल-पल की गतिविधियों पर नज़र रख रहे हैं।

रूस भारी व्यापार घाटे पर भारत की चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार : पेसकोव

नई दिल्ली/भाषा। रूस को भारी व्यापार घाटे को लेकर भारत की चिंताओं की पूरी जानकारी है और मॉस्को इस ''समस्या'' को दूर करने के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह जानकारी क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने दी। पेसकोव ने आनलाइन संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कई मुद्दों पर बात की, जिनमें यूक्रेन में अमेरिकी शांति योजना, रूसी कच्चे तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध और भारत को रूसी रक्षा प्लेटफ़ॉर्म एवं प्रौद्योगिकी की आपूर्ति शामिल है। पेसकोव ने वैश्विक व्यापार की नई व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया, जहां भुगतान प्रणाली (डॉलर-आधारित व्यापार) का उपयोग एक ''राजनीतिक उपकरण'' के रूप में ना किया जाए। हालांकि यह बयान परोक्ष तौर पर अमेरिका पर लक्षित था, लेकिन पेसकोव ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा किए गए नवीनतम मध्यस्थता प्रयासों को बहुत प्रभावी बताते हुए प्रशंसा की। अमेरिकी वार्ताकार स्टीव विटकॉफ की पुतिन से मुलाकात से कुछ घंटे पहले उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि यह सफल होगा। हम इसमें योगदान देने के लिए तैयार हैं।'' पेसकोव ने यह संवाददाता सम्मेलन राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की चार और पांच दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली यात्रा से पहले एक पूर्वावलोकन के तौर पर आयोजित की।

आईजीआई हवाई अड्डे पर नकली फ्रांसीसी वीजा रैकेट का भंडाफोड़, मुख्य एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने तमिलनाडु में चल रहे उस गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो नौकरी की चाहत रखने वाले भारतीय नागरिकों के लिए नकली फ्रांसीसी वीजा उपलब्ध कराने के धंधे में लिप्त था। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने एक प्रमुख एजेंट को गिरफ्तार किया है और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से तीन यात्रियों को हिरासत में लिया है। यह घटना 28 अक्टूबर को उस वक्त सामने आई जब तीनों यात्री- नवीराज सुब्रमण्यम (23), प्रभाकरण सेंथिलकुमार (28) और मोहन गांधी एलंगोवन (38) पेरिस जाने वाली उड़ान के लिए हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर आव्रजन मंजूरी के लिए पहुंचे। जांच के दौरान पता चला कि उनके पासपोर्ट पर लगे फ्रांसीसी डी-टाइप वीजा नकली थे और उनमें आवश्यक सुरक्षा विशेषताएं भी मौजूद नहीं थीं। पुलिस अधिकारी ने बताया, ''भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान पता चला कि नवीराज के फर्जी वीजा का इंतजाम उसके भाई ने छह लाख रुपए में किया था, जबकि अन्य दो ने नमक्कल जिले के एक एजेंट को 12-12 लाख रुपए दिए थे।''

राजग सरकार ने 'वोट चोरी' से ध्यान भटकाने के लिए सोनिया, राहुल के खिलाफ मामला दर्ज किया : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि 'वोट चोरी' अभियान से जनता का ध्यान हटाने के लिए कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया गया है।

रेड्डी ने तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस की कार्यकारिणी की बैठक में कहा कि तेलंगाना का प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ अवैध मामला दर्ज किए जाने की निंदा करता है। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी ने पूरे देश में 'वोट चोरी' अभियान चलाया। (राजग सरकार) इससे ध्यान भटकाने के लिए सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर फिर से मामले दर्ज किए, क्योंकि वे संसद में 'वोट चोरी' पर चर्चा नहीं चाहते थे।

उन्होंने बिहार चुनाव में हुई गड़बड़ियों पर चर्चा से बचने के लिए चार-पांच दिन पहले सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया। उन्होंने कहा कि बैठक में कहा गया कि वे गांधी परिवार के खिलाफ अवैध मामले की निंदा करते हैं और 'तेलंगाना के लोग' उनके साथ खड़े हैं।

निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने की दिशा में प्रयास जारी : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को संसद में बताया कि वह घरेलू वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क (टैरिफ) के प्रभाव को कम करने के लिए निर्यात संवर्धन मिशन की घोषणा जैसे कदम उठा रही है।

लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि उम्मीद है कि इन उपायों से भारत के व्यापार संबंधों में विविधता आएगी और लचीलापन बढ़ेगा। उन्होंने कहा, ''सरकार एक व्यापक बहुआयामी रणनीति के माध्यम से भारतीय निर्यात पर अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए काम करना जारी रखे हुए है, जिसमें पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए अमेरिका सरकार के साथ गहन बातचीत शामिल है।'' प्रसाद ने बताया कि आरबीआई के व्यापार राहत उपायों और निर्यातकों के लिए ऋण गारंटी योजना की घोषणा, जीएसटी सुधारों के माध्यम से घरेलू मांग में वृद्धि और नए देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत के माध्यम से तत्काल राहत दी गई है। इस साल 31 जुलाई को, अमेरिका ने व्यापारिक साझेदारों के लिए पारस्परिक शुल्क दरों वाला एक शासकीय आदेश जारी किया। इस आदेश में, कुछ अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों के लिए देश-केंद्रित अतिरिक्त शुल्क दरों को अधिसूचित किया गया, जिनमें वे देश भी शामिल हैं जिन्होंने उनके साथ व्यापार समझौते पर सहमति व्यक्त की है।

संसद में गतिरोध टूटने के आसार, लोकसभा में अगले सप्ताह होगी वंदे मातरम और चुनाव सुधारों पर चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र में जारी गतिरोध के खत्म होने की संभावना मंगलवार को उस वक्त प्रबल हो गई जब सरकार ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा से जुड़ी विपक्ष की मांग को स्वीकार कर लिया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक में यह सहमति बनी कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की रचना के 150 साल पूरा होने के विषय पर सोमवार को तथा चुनावों सुधारों के मुद्दे पर मंगलवार को सदन में चर्चा होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे मातरम पर चर्चा की शुरुआत करेंगे। चुनाव सुधार के मुद्दे पर चर्चा के लिए 10 घंटे समय निर्धारित किया गया है, लेकिन जरूरत पड़ने पर समय बढ़ाया जा सकता है। सभी दलों के नेताओं की लोकसभा अध्यक्ष के साथ बैठक के बाद कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की भी बैठक हुई, जिसमें इन विषयों पर चर्चा कराने पर मुहर लगाई गई। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान सोमवार आठ दिसंबर को दोपहर 12 बजे से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर लोकसभा में चर्चा और मंगलवार नौ दिसंबर को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधार पर सदन में चर्चा करने का निर्णय लिया गया है।''

ओला कंज्यूमर ने पूरे देश में बिना एसी वाली यात्रा सेवा शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। टैक्सी सेवा प्रदाता कंपनी ओला कंज्यूमर ने पूरे देश में बिना एसी की यात्रा सेवाएं शुरू करने की मंगलवार को घोषणा की। बयान के अनुसार, इसके साथ ही कंपनी देश में बड़े पैमाने पर यह विकल्प उपलब्ध कराने वाली एकमात्र कंपनी बन गई है। इस सेवा से ग्राहकों को अधिकतम विकल्प प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता मजबूत हुई है।

कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा, '' बिना एसी वाली यात्रा सेवाओं के साथ, हम भारत में शहरी परिवहन को किफायती एवं सुलभ बनाने की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। लाखों लोग रोजाना, मूल्य-आधारित परिवहन पर निर्भर हैं और यह पेशकश पूरी तरह से उनकी जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।'' प्रवक्ता ने कहा कि शुरुआती प्रतिक्रिया अविश्वसनीय रही है और यह दर्शाती है कि भारत कितनी शिद्दत से अधिक पारदर्शी, मजबूत और उचित मूल्य वाले परिवहन चाहता है। उन्होंने कहा, '' यह कदम भारत में परिवहन पर पुनर्विचार करने और इसे हर उपभोक्ता के लिए वास्तव में समावेशी बनाने के हमारे लक्ष्य की दिशा में एक और कदम है।''

एडीबी ने भारत में छतों पर लगने वाली सौर प्रणाली के लिए 65 करोड़ डॉलर के कर्ज को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बहुपक्षीय विकास बैंक एडीबी ने भारत में छतों पर लगने वाली सौर प्रणाली को अपनाने में तेजी लाने के लिए 65 करोड़ डॉलर (लगभग 5,780 करोड़ रुपए) के नीति आधारित ऋण को मंजूरी दी है।

इससे 2027 तक एक करोड़ परिवारों तक स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा पहुंचाने तथा छतों पर सौर ऊर्जा प्रणाली लगाने की गति बढ़ेगी।

त्वरित किफायती एवं समावेशी छत-सौर प्रणाली विकास कार्यक्रम के उप-कार्यक्रम-1 के अंतर्गत यह वित्तपोषण सरकार के प्रमुख कार्यक्रम प्रधानमंत्री सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना को समर्थन देगा। इस योजना का उद्देश्य पूरे देश में छत पर लगने वाली सौर प्रणालियों को व्यापक रूप से सुलभ बनाना है।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की भारत निदेशक मियो ओका ने कहा कि यह कार्यक्रम वित्तीय बाधाओं और नियामकीय कमियों जैसी पुरानी रुकावटों को दूर करके भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह लाखों परिवारों के लिए छत-सौर को सस्ता और सुगम बना रहा है, साथ ही हरित रोजगार सृजित कर रहा है, महिलाओं को सशक्त बना रहा है तथा बिजली क्षेत्र की वित्तीय स्थिति को मजबूत कर रहा है।

योजना के तहत छतों पर तीन किलोवाट तक की सौर प्रणाली लगाने पर आवासीय उपभोक्ताओं को वित्तीय सहायता दी जाती है।

अदाणी एंटरप्राइजेज ने ट्रेड कॉसल टेक पार्क का 231 करोड़ रु. में किया अधिग्रहण

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसकी संयुक्त उद्यम इकाई ने ट्रेड कॉसल टेक पार्क प्राइवेट लिमिटेड (टीसीटीपीपीएल) की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का 231.43 करोड़ रुपए में अधिग्रहण कर लिया है। अदाणी एंटरप्राइजेज और अमेरिकी डेटा सेंटर ऑपरेटर एजकनेक्स के संयुक्त उद्यम अदाणीकनेक्स (एसीएक्स) ने 21 नवंबर, 2025 को टीसीटीपीपीएल और उसके मौजूदा शेयरधारकों श्री नमन डेवलपर्स और जयेश शाह के साथ शेयर खरीद समझौता किया था।

कंपनी ने शेयर बाजार को इस अधिग्रहण की सूचना देते हुए कहा कि यह हिस्सेदारी अधिग्रहण पूरा होने के बाद टीसीटीपीपीएल अब कंपनी के अनुषंगी की अनुषंगी संयुक्त उद्यम इकाई बन गई है।

रोहिंग्या मामले में न्यायालय ने पूछा, क्या घुसपैठियों के स्वागत के लिए 'रेड कार्पेट' बिछाना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने भारत में रह रहे रोहिंग्या के कानूनी दर्जे पर मंगलवार को तीखा सवाल किया और पूछा कि क्या ''घुसपैठियों'' के स्वागत के लिए ''रेड कार्पेट'' बिछाना चाहिए जबकि देश के अपने नागरिक गरीबी से जूझ रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मानवाधिकार कार्यकर्ता रीता मनचंदा द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए तीखी टिप्पणियां कीं। इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि यहां अधिकारियों की हिरासत से कुछ रोहिंग्या लापता हो गए हैं।

अब मामले की सुनवाई 16 दिसंबर को होगी। वकील ने आरोप लगाया कि मई में दिल्ली पुलिस ने कुछ रोहिंग्या को पकड़ा था और वे कहां हैं, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने पूछा, यदि उनके पास भारत में रहने का कानूनी दर्जा नहीं है तो वे घुसपैठिए हैं। उत्तर भारत में हमारी सीमा बहुत संवेदनशील है। यदि कोई घुसपैठिया आता है, तो क्या हम उनका यह कहकर स्वागत करेंगे कि हम आपको सभी सुविधाएं देना चाहते हैं? अदालत ने कहा, उन्हें वापस भेजने में क्या समस्या है? पीठ ने कहा, ''भारत ऐसा देश है जहां बहुत से गरीब लोग हैं, और हमें उन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।'' प्रधान न्यायाधीश ने पूछा, पहले आप प्रवेश करते हैं, आप अवैध रूप से सीमा पार करते हैं। आपने सुरंग खोदी या बाड़ पार की और अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए। फिर आप कहते हैं, अब जब मैं प्रवेश कर गया हूं, तो आपके कानून मुझ पर लागू होने चाहिए और मैं भोजन का हकदार हूं, मैं आश्रय का हकदार हूं, मेरे बच्चे शिक्षा के हकदार हैं। क्या हम कानून को इस तरह से खींचना चाहते हैं। याचिकाकर्ता ने 2020 के उच्चतम न्यायालय के आदेश का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि रोहिंग्या को केवल प्रक्रिया के अनुसार ही निर्वासित किया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने पूछा, ''हमारे देश में भी गरीब लोग हैं। वे नागरिक हैं। क्या वे कुछ लाभों और सुविधाओं के हकदार नहीं हैं? उन पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता? यह सच है, अगर कोई अवैध रूप से प्रवेश भी कर गया है, तो हमें उन पर थर्ड-डिग्री का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए...आप उन्हें वापस लाने के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का अनुरोध कर रहे हैं।

अजित पवार ने निकाय चुनाव में हिंसा की निंदा की, 'गठबंधन धर्म' की याद दिलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने मंगलवार को स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान रायगढ़ में शिवसेना और राकांपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की खबरों के बीच कहा कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष पवार ने कहा कि सत्तारूढ़ 'महायुति' के घटकों सहित सभी दलों को अनुशासन बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''सभी सहयोगियों को 'गठबंधन धर्म' का सम्मान करना चाहिए।''

खबरों के मुताबिक अन्य स्थानों के अलावा, रायगढ़ जिले के महाड और रोहा में शिवसेना और राकांपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें हुईं, जहां राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे और शिवसेना के मंत्री भरत गोगावाले स्थानीय प्रतिद्वंद्वी हैं। पवार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारे लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है।''

उप मुख्यमंत्री ने चुनावों को एक 'पवित्र प्रक्रिया' बताते हुए कहा कि हर मतदाता को बिना किसी डर के अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अधिकार होना चाहिए। उन्होंने कहा,''...लोगों को तय करने दीजिए कि वे किसे चुनना चाहते हैं।'' राकांपा अध्यक्ष ने कहा कि शांति भंग करने या मतदाताओं को बलपूर्वक प्रभावित करने का कोई भी प्रयास ''संविधान और महाराष्ट्र के मूल्यों के विरुद्ध'' है। महाराष्ट्र में मंगलवार को 264 नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के लिए मतदान हुआ। कई जगहों पर सत्तारूढ़ गठबंधन में सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार नीत राकांपा के प्रत्याशी एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

कांग्रेस आलाकमान के निर्णय लेने पर शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे, हम एकजुट हैं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि उनके और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच कोई मतभेद नहीं है और वे दोनों एकजुट होकर सरकार चला रहे हैं तथा भविष्य में भी ऐसा करते रहेंगे। उन्होंने एक बार फिर से कहा कि नेतृत्व के मुद्दे पर वह और शिवकुमार, दोनों कांग्रेस आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि जब आलाकमान फैसला करेगा तो शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे।

सिद्दरामय्या ने एकजुटता प्रदर्शित करते हुए मंगलवार को शिवकुमार के आवास पर नाश्ता किया। मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी रस्साकशी के बीच कुछ दिन पहले भी दोनों नेताओं ने साथ में नाश्ता किया था। सिद्दरामय्या ने नाश्ते पर हुई बातचीत के बाद यहां पत्रकारों से कहा, कोई मतभेद नहीं है। डी. के. शिवकुमार और मैं एकजुट हैं। हम एकजुट होकर सरकार चलाते हैं। भविष्य में भी हम एकजुट होकर सरकार चलाएंगे। राज्य में नेतृत्व के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जैसा कि शनिवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित नाश्ते पर हुई बातचीत में तय किया गया था कि दोनों ही लोग आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। अभी तक आलाकमान की ओर से इस मामले पर किसी भी फैसले की समय-सीमा के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा, अगर वे (आलाकमान) हमें बुलाएंगे, तो हम ज़रूर जाकर उनसे मिलेंगे। कल मैं एक समारोह में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के. सी. वेणुगोपाल से मिलूंगा, जहां हम दोनों को आमंत्रित किया गया है।

यह पूछे जाने पर कि शिवकुमार कब मुख्यमंत्री बनेंगे, इस पर सिद्दरामय्या ने कहा, जब आलाकमान कहेगा। उन्होंने बताया कि शिवकुमार ने उन्हें नाश्ते पर आमंत्रित किया था। नाश्ते के बाद उन्होंने और उपमुख्यमंत्री ने बेलगावी में आठ दिसंबर से शुरू होने वाले आगामी विधानसभा सत्र और उसके लिए अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने राज्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद सत्र के दौरान आठ दिसंबर को दिल्ली में कर्नाटक के सांसदों की एक बैठक आयोजित करने पर भी चर्चा की।

मंत्रिमंडल में फेरबदल के बारे में सिद्दरामय्या ने कहा कि इस पर फैसला आलाकमान को लेना है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विपक्षी भाजपा और जनता दल (एस) द्वारा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बनाए जाने और कई मुद्दे उठाने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार उनका 'आक्रामक' ढंग से सामना करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार 'किसान समर्थक' है और उन्होंने राज्य में गन्ना और मक्का किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र इस संबंध में पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहा है।

इससे पहले, दिन में सिद्दरामय्या उपमुख्यमंत्री के सदाशिवनगर स्थित आवास पर पहुंचे, जहां उनका स्वागत शिवकुमार और उनके भाई डी.के. सुरेश (कांग्रेस के पूर्व सांसद) और कुनिगल विधायक एच.डी. रंगनाथ (शिवकुमार के रिश्तेदार) ने किया। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने साथ में नाश्ता किया, जिसमें इडली और देसी चिकन सहित शाकाहारी और मांसाहारी व्यंजनों का मिश्रण था। सिद्दरामय्या ने कहा कि शिवकुमार ने शाकाहारी होने के बावजूद, नाश्ते में देसी चिकन के साथ मांसाहारी भोजन सुनिश्चित किया था। सिद्दरामय्या ने उन्हें और शिवकुमार को 'भाई' बताए जाने पर कहा, हम हमेशा भाई रहे हैं, हम एक ही पार्टी में हैं और एक ही विचारधारा में विश्वास करते हैं। हम साथ मिलकर काम करेंगे। वर्ष 2028 (विधानसभा चुनाव) में भी हम साथ मिलकर काम करेंगे और कांग्रेस को सत्ता में वापस लाएंगे। सोमवार को शिवकुमार ने कहा था कि वह और मुख्यमंत्री 'भाइयों की तरह काम कर रहे हैं। शिवकुमार ने यह भी कहा कि कांग्रेस की राज्य इकाई में कोई गुटबाजी नहीं है और उन्होंने मीडिया पर भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया। मंगलवार को एक सवाल के जवाब में शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में सभी विधायक एकजुट हैं और कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने बताया कि उन्होंने विधान परिषद की चार सीट के लिए उम्मीदवारों, पार्टी और सरकार के मामलों, विधानमंडल सत्र की रणनीति और राज्य से संबंधित मुद्दों पर सभी दलों के सांसदों की बैठक बुलाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हम सत्र के दौरान विपक्ष का सामना करेंगे। हम एकमत हैं। पार्टी में कोई मतभेद नहीं हैं; यह सिर्फ मीडिया की उपज है। शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा कि कांग्रेस पार्टी में सभी विधायक एकजुट हैं और कोई मतभेद नहीं है। नेतृत्व विवाद पर गतिरोध को तोड़ने के लिए कांग्रेस आलाकमान द्वारा किए गए प्रयास के तहत शनिवार को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर नाश्ते के बाद सिद्दरामय्या और शिवकुमार दोनों ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि कोई भ्रम की स्थिति नहीं होगी और वे नेतृत्व के मुद्दे पर आलाकमान की बात मानेंगे।

नाश्ते पर हुई बैठकों को दोनों के बीच नेतृत्व को लेकर रस्साकशी को रोकने के लिए आलाकमान द्वारा उठाए गए कदम के रूप में देखा जा रहा है और यह संकेत देता है कि सिद्दरामय्या फिलहाल मुख्यमंत्री बने रहेंगे, खासकर आठ दिसंबर से शुरू होने वाले बेलगावी विधानसभा सत्र से पहले। कर्नाटक में 20 नवंबर को कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने पर, राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलें बढ़ गईं। अटकलों को 'सत्ता-साझाकरण' समझौते की चर्चाओं से बल मिला, जिसके बारे में कहा जाता है कि 2023 में पार्टी के सत्ता में आने के दौरान यह समझौता हुआ था। इस बीच, गृह मंत्री जी परमेश्वर ने नाश्ते पर हुई बैठक को एक 'अच्छी प्रगति' बताया और उम्मीद जताई कि सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे।

सिद्दरामय्या की 'राजनीति स्थायी नहीं' वाली कथित टिप्पणी से अटकलों को बल मिला

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की ओर से कांग्रेस विधायक बेलूरु गोपाल कृष्ण के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान की गई 'राजनीति स्थायी नहीं' वाली कथित टिप्पणी से सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर मुख्यमंत्री पद के लिए चल रही रस्साकशी के बीच अटकलों को बल मिला है। हालांकि इस बातचीत का संदर्भ स्पष्ट नहीं है, लेकिन इसका वीडियो वायरल हुआ है। फिलहाल इसे राज्य में मुख्यमंत्री परिवर्तन की बातचीत से जोड़ा जा रहा है। सिद्दरामय्या को सागरा से विधायक गोपाल कृष्ण से यह कहते हुए सुना जा सकता है, ...जो होना है, होने दो। क्या राजनीति मेरे पिता की जागीर है? राजनीति स्थायी नहीं है। कांग्रेस सरकार के 20 नवंबर को ढाई साल पूरा होने के बाद राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष तेज हो गया था।

शिवकुमार के आवास पर सिद्दरामय्या को नाश्ते में परोसी गईं 'नटी कोली सारू' और इडली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के आवास पर मंगलवार को नाश्ता करने के लिये पहुंचे मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को उनका पंसदीदा व्यंजन 'नटी कोली सारू' (देशी चिकन करी) और इडली शामिल थीं।

आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नाश्ते की मेज पर 'नटी कोली सारू' और इडली के साथ ही 'नटी कोली' फ्राई, वड़ा, पोंगल सहित कई व्यंजन थे।

एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए सिद्दरामय्या ने शिवकुमार के आवास पर नाश्ता किया। राज्य में नेतृत्व विवाद के बीच दोनों नेताओं ने कुछ दिन पूर्व भी साथ में नाश्ता किया था। सिद्दरामय्या सदाशिवनगर स्थित उपमुख्यमंत्री के आवास पहुंचे, जहां शिवकुमार और उनके भाई डी. के. सुरेश ने उनका स्वागत किया।

REGIONAL RESEARCH INSTITUTE OF UNANI MEDICINE(RRIUM)
(An autonomous Organization under Ministry of AYUSH, Govt. of India)
No. 1, West Mada Church Road, Royapuram, Chennai - 13
(NABH & NABL accredited)

TENDER NOTIFICATION

On behalf of the Director General, CCRUM, New Delhi, the Deputy Director, RRIUM, Chennai invites sealed Tender Quotations from reputed firms in two- bid system (Technical bid and Commercial bid) for the supply of Crude / Raw drugs and materials. The detailed list of raw drugs and materials and terms and conditions can either be downloaded from CCRUM website/ RRIUM Website or may be obtained from the Office of the Deputy Director, Regional Research Institute of Unani Medicine, No.1, West Mada Church Road, Royapuram, Chennai-600 013.

The last date for receipt of Tender/Quotations is 24th December 2025, 04.00 p.m. For details, please visit CCRUM website www.ccrum.res.in or www.rriumchennai.org

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, आर वी देवराज के दुखी परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना जताते हुए।

आर वी देवराज का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक आर. वी. देवराज का मैसुरु में निधन हो गया। पार्टी नेताओं ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार रात दिल का दौरा पड़ने से देवराज का 67 वर्ष की आयु में निधन हो गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि चिकपेट विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता देवराज के निधन के बारे में जानकर उन्हें बहुत दुख हुआ। सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, देवराज का लोगों से गहरा जुड़ाव था। उन्होंने कांग्रेस के एक वफादार और समर्पित सदस्य के रूप में कई वर्षों तक अथक परिश्रम किया। वह अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते थे। उन्हें कई और वर्षों तक हमारे साथ रहना चाहिए था।

उन्होंने कहा, मैं प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति और उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति मिले। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि देवराज के निधन के बारे में जानकर उन्हें गहरा दुःख हुआ। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राजनीति और समाज सेवा के माध्यम से चिकपेट निर्वाचन क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है।

शिवकुमार ने कहा कि देवराज का निधन राज्य की राजनीति और चिकपेट निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक बड़ी क्षति है। तीन बार विधायक रहे देवराज 1989 और 1999 में कांग्रेस के टिकट पर चामराजपेट निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे। वर्ष 2004 में, उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री एस.एम. कृष्णा के लिए यह सीट खाली कर दी, जिन्होंने चुनाव जीता। परिसीमन के बाद, देवराज ने 2013 में चिकपेट निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

बेंगलूरु में 'हनुमान जयंती' फेस्टिवल पर भगवान हनुमान के वेश में कलाकार।

बेंगलूरु हवाई अड्डे पर आगमन पिक-अप क्षेत्र में अधिक समय तक रुकने वाले वाहनों पर लगेगा शुल्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा आठ दिसंबर से 'आगमन पिक-अप' क्षेत्र में आठ मिनट की निशुल्क सीमा से अधिक समय तक रुकने वाले वाहनों पर प्रवेश शुल्क लगाएगा। हवाई अड्डे के ऑपरेटर 'बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड' (बीआईएएल) ने मंगलवार को घोषणा की कि वह यात्रियों की आवाजाही को सुचारू बनाने, भीड़भाड़ को कम करने और सुरक्षा में सुधार लाने के लिए 'पिक-अप' संबंधी उपाय शुरू कर रहा है। एक बयान में कहा गया है, बेंगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड अनुशासन लागू करने, अनधिकृत पार्किंग को रोकने और रुकने के समय को कम करने के लिए लेन को अलग करने की प्रणाली शुरू कर रहा है। इससे सड़क किनारे भीड़भाड़ कम होगी और टर्मिनल के सामने पिक-अप क्षेत्र के दुरुपयोग को रोका जा सकेगा। इसमें कहा गया है कि नयी प्रणाली के तहत टी1 और टी2 में निर्दिष्ट आगमन पिक-अप क्षेत्र में सभी निजी कारों (व्हाइट-बोर्ड वाहनों) के लिए प्रवेश निःशुल्क होगा। हालांकि, दुरुपयोग होने या निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक रुकने पर शुल्क लगेगा। बयान में कहा गया है, हवाईअड्डा सभी उपयोगकर्ताओं के लिए इस क्षेत्र के आठ मिनट (अंतरराष्ट्रीय मानकों से कहीं अधिक) निशुल्क उपयोग की अनुमति देगा, जिसके बाद 8-13 मिनट तक रुकने पर 150 रुपये और 13-18 मिनट तक रुकने पर 300 रुपये का शुल्क लगेगा। 18 मिनट से अधिक रुकने वाले किसी भी वाहन को निकटतम पुलिस थाने ले जाया जाएगा और जुर्माना तथा वाहन को ले जाने का शुल्क लगाया जाएगा।

चेन्नई की ओर फिर मुड़ सकता है गहरे दबाव का क्षेत्र, चार जिलों में भारी बारिश के आसार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बंगाल की खाड़ी और उत्तर तमिलनाडु के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र फिर से दक्षिण चेन्नई की ओर मुड़ सकता है, जिसके कारण राज्य की राजधानी सहित चार जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा बुलेटिन के अनुसार, तिरुवल्लूर, चेन्नई, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में 4060 किमी प्रति घंटे की अधिकतम हवा की रफ्तार के साथ मध्यम गर्जन-तूफ़ान के साथ भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम-मध्य और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के पास, उत्तर तमिलनाडु और दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों के नजदीक बना गहरा दबाव (चक्रवात 'दित्वा' के प्रभाव से) लगभग स्थिर बना हुआ है। यह उत्तर तमिलनाडुपुडुचेरी तट से करीब 35 किलोमीटर दूर स्थित है। मौसम विभाग ने कहा, अगले 12 घंटों में इसके धीरे-धीरे दक्षिण-पश्चिम की ओर मुड़ने और कमजोर होकर एक दबाव के क्षेत्र में तब्दील होने की प्रबल संभावना है। रातभर तेज हवाओं के साथ हुई बारिश के कारण शहर में कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूटकर गिर गईं।

मलेशिया एयरलाइंस ने तिरुवनंतपुरम से कुआलालंपुर के लिए उड़ानें बढ़ायीं

तिरुवनंतपुरम। मलेशिया एयरलाइंस ने यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कुआलालंपुर के लिए अपनी सेवाएं सप्ताह में सातों दिन कर दी हैं। तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (टीआईएएल) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड ने कहा कि इसके साथ ही तिरुवनंतपुरम से मलेशिया की राजधानी के लिए साप्ताहिक उड़ानों की कुल संख्या 11 हो गई है, क्योंकि एयरएशिया फिलहाल सप्ताह में चार सेवाएं संचालित करती है।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094178, 4541 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा स.:	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ई-निविदा-91/2025-2026 दिनांक 02.12.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ई-निविदा-92/2025-2026 दिनांक 02.12.2025
कार्य का नाम :	इसरो हाउसिंग कॉलोनी, जालाहल्ली, ईस्ट्रक, बेंगलूरु में इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन का वार्षिक रखरखाव सेवा अनुबंध।	इसरो हाउसिंग कॉलोनी, आरपीसी लेआउट और अंतरिक्ष अपार्टमेंट मल्लेश्वरम, ईस्ट्रक, बेंगलूरु में इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन का वार्षिक रखरखाव सेवा अनुबंध।
निविदा की अनुमानित लागत :	₹ 53.06 लाख	₹ 39.65 लाख
निविदा प्रलेख ब्यौरा :	ई-निविदा	
पूरा करने की अवधि:	12 महीने (इसमें उन्हीं नियमों और शर्तों के साथ अनुबंध को दो और वर्षों के लिए बढ़ाने का प्रावधान भी शामिल है)।	
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि :	03.12.2025 को 16.00 बजे से 17.12.2025 के 16.00 बजे तक	
बोली स्पष्टीकरण :	04.12.2025 को 11.00 बजे से 18.12.2025 के 16.00 बजे तक	
बोली स्पष्टीकरण का जवाब देने की अंतिम तारीख :	19.12.2025 के 16.00 बजे तक	
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख एवं समय :	20.12.2025 के 16.00 बजे तक	
निविदा खोलने की नियत तारीख एवं समय :	22.12.2025 को 11.00 बजे से	
बयाना जमा (ईएमडी)	₹ 1,06,120.00	₹ 79,300.00

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेज़ी) सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट https://www.isro.gov.in/Tenders.html से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
समूह प्रमुख-सीएमजी, इस्ट्रैक

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष, अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094178, 4541 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

1. भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा स.:	इस्ट्रैक/सीएमजी/ए.सी/एमएआईएनटी/ई-निविदा-89/2025-2026 दिनांक 02.12.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/ए.सी/एमएआईएनटी/ई-निविदा-90/2025-2026 दिनांक 02.12.2025
कार्य का नाम :	एमओएक्स कैंपस, पीन्या, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में अलग-अलग जगहों पर एयर कंडीशनिंग इंस्टॉलेशन के ऑपरेशन के लिए वार्षिक सेवा अनुबंध।	एससीसी कैंपस, पीन्या, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में अलग-अलग जगहों पर एयर कंडीशनिंग इंस्टॉलेशन के ऑपरेशन के लिए वार्षिक सेवा अनुबंध।
निविदा की अनुमानित लागत :	₹ 17.45 लाख	₹ 22.04 लाख
निविदा प्रलेख ब्यौरा :	ई-निविदा	
पूरा करने की अवधि:	12 महीने (इसमें उन्हीं नियमों और शर्तों के साथ अनुबंध को दो और वर्षों के लिए बढ़ाने का प्रावधान भी शामिल है)।	
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि :	03.12.2025 को 16.00 बजे से 17.12.2025 के 16.00 बजे तक	
बोली स्पष्टीकरण :	04.12.2025 को 11.00 बजे से 18.12.2025 के 16.00 बजे तक	
बोली स्पष्टीकरण का जवाब देने की अंतिम तारीख :	19.12.2025 के 16.00 बजे तक	
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख एवं समय :	20.12.2025 के 16.00 बजे तक	
निविदा खोलने की नियत तारीख एवं समय :	22.12.2025 को 11.00 बजे से	
बयाना जमा (ईएमडी)	₹ 34,900.00	₹ 44,080.00

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेज़ी) सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट https://www.isro.gov.in/Tenders.html से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
समूह प्रमुख-सीएमजी, इस्ट्रैक

कांग्रेसी दिल्ली एक परिवार के ढोक लगाने जाते है, हम दिल्ली देश की सरकार के पास जाते है : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय जयपुर में मंगलवार को उद्योग एवं वाणिज्य, खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी द्वारा कार्यकर्ता सुनवाई आयोजित की गई। कार्यकर्ता सुनवाई के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कर्नल राठौड़ ने कहा कि पार्टी का मूल दायित्व है कि जनता और कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार अब नियमित रूप से पार्टी कार्यालय में सप्ताह में तीन दिन मंत्रियों एवं पदाधिकारियों द्वारा कार्यकर्ता सुनवाई की व्यवस्था शुरू की गई है। राठौड़ ने बताया कि मंगलवार को लगभग 90 परिवाद कार्यकर्ता सुनवाई में पहुंचे। कई समस्याओं का मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देश देकर त्वरित कार्रवाई कराई गई। कुछ मामलों को उचित विभागों को अग्रेषित किया गया, जबकि नीतिगत विषयों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

कार्यकर्ताओं की समस्याएं मुख्यतः राजस्व, बिजलीपानी, स्थानांतरण एवं विभिन्न विभागीय कार्यों से संबंधित थीं। राठौड़ ने कहा कि सुनवाई के माध्यम से समस्याएं सही अधिकारियों तक शीघ्रता से पहुंचने के कारण समाधान तेजी से संभव हो पाता है। मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि डबल इंजन सरकार के कारण केंद्र से निरंतर सहयोग मिल रहा है और राज्य सरकार केंद्र की योजनाओं का लाभ धरातल तक पहुंचाने में तत्पर है, ताकि केंद्र की प्रत्येक योजना का लाभ जनता तक समय पर पहुंचे। प्रदेश की पिछली कांग्रेस सरकार के समय समन्वय के अभाव के कारण विकास कार्य बाधित रहते थे, जबकि आज तेजी से काम होने से विपक्ष असहज महसूस कर रहा है, कांग्रेसी नेताओं को पीडा हो रही है। वो दिल्ली एक परिवार के ढोक लगाने जाते थे, हम दिल्ली देश की सरकार के पास जाते है।

स्थानांतरण संबंधी सवालों पर राठौड़ ने कहा कि जब स्थानांतरण प्रक्रिया आरंभ होगी, तब प्रस्तुत प्रस्तावों की सूची पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा परिस्थिति के मुताबिक कानून से हटकर निर्णय लेने की जरूरत होगी तो प्रकरण मुख्यमंत्री जी तक पहुंचाया जाएगा।

राठौड़ ने बताया कि राजस्थान निवेश की दृष्टि से तेजी से उभर रहा है क्योंकि यह उत्तर भारत का सबसे शांत, सुन्दर एवं सुरक्षित प्रदेश है। राज्य में ऐसे कई सेक्टर हैं जिनमें अपार संभावनाएं हैं। राइजिंग राजस्थान और सिंगल विंडो क्लीरेंस के माध्यम से निवेश एवं रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रवासी राजस्थान दिवस पर राठौड़ ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के अनुभव, संसाधन और सीएसआर निवेश को संगठित रूप से प्रदेश के विकास से जोड़ा जा रहा है। इस पहल को उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिल रही है।

कार्यकर्ता सुनवाई में भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी एवं प्रदेश मंत्री नारायण मीणा भी उपस्थित रहे। भूपेंद्र सैनी ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए पार्टी कार्यालय में सरकार के मंत्रियों के द्वारा कार्यकर्ताओं की सुनवाई कार्यक्रम शुरू किया है, जहां कार्यकर्ता अपने क्षेत्र की समस्याएं मंत्रियों के समक्ष रख सकते हैं। सैनी से विशेष तौर पर स्पष्ट किया कि यह कार्यकर्ता सुनवाई है ना की जनसुनवाई।

सभी मंत्रीगण नियमित जनसुनवाई पूर्वानुसार अपने निवास और सचिवालय में करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सुनवाई में अपनी समस्या को मंडल अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष या जिला पदाधिकारी से अनुशंसा करवाकर पार्टी कार्यालय लेकर आएं। उन्होंने बताया कि 3 दिसंबर बुधवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर तथा राज्य मंत्री, पीडब्ल्यूडी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री मंजू बाघमार, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर, प्रदेश महामंत्री मिथिलेश गौतम कार्यकर्ता सुनवाई करेंगे। संबंधित विभागों से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाएगा।

कई हिस्सों में रात के तापमान में गिरावट

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों में रात के तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार बीती रात सबसे कम न्यूनतम तापमान लूणकरणसर (बीकानेर) में 4.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा न्यूनतम तापमान फतेहपुर (सीकर) में 6.6 डिग्री सेल्सियस, गंगानगर में 6.9 डिग्री, अलवर में आठ डिग्री, चूरू में नौ डिग्री और बीकानेर में 9.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जैसलमेर में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में रात के तापमान में और गिरावट होने का अनुमान लगाया है। साथ ही चार दिसंबर के बाद जयपुर और बीकानेर संभाग में शीतलहर चलने का भी अनुमान है।

राजभवन अब अब 'लोकभवन' के नाम से जाना जाएगा

जयपुर। राजस्थान के राजभवन को अब 'लोकभवन' के नाम से जाना जाएगा। इस बारे में अधिसूचना जारी कर दी गई है। लोकभवन के बयान के अनुसार राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े द्वारा जारी आदेशों के अंतर्गत 'राजभवन' को अब 'लोकभवन के नाम से जाना जाएगा। राज्यपाल बागडे की पहल पर इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। एक दिसम्बर 2025 से यह अधिसूचना प्रभावी रहेगी। राज्यपाल ने बयान में कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता से लोकतांत्रिक भारतीय संस्कृति की ओर आगे बढ़ने की दिशा में 'लोकभवन' नामकरण बहुत बड़ी पहल है। उन्होंने कहा,'भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक राष्ट्र है। हमारे देश के संविधान की उद्देशिका ही 'हम भारत के लोग' से प्रारंभ होती है। लोकतंत्र में लोक ही प्रमुख है इसलिए राज्यपाल का कार्यस्थल अब 'लोकभवन' नाम से जाना जाएगा।' उन्होंने कहा कि लोकभवन केवल नामकरण नहीं बल्कि लोगों की भावनाओं, लोक आकांक्षाओं का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि 'राज' शब्द ब्रिटिश शासन के अवशेषों की याद दिलाता है। इसीलिए केन्द्र सरकार की पहल पर यह बड़ा बदलाव किया गया है।

गंभीर रूप से झुलसे युवक की मौत, पेट्रोल छिड़क कर लगायी गयी थी आग

जयपुर। जयपुर में गंभीर रूप से झुलसे एक युवक की मौत हो गई। इस युवक और एक महिला को कुछ लोगों ने कथित तौर पर पेट्रोल छिड़क कर आग के हवाले कर दिया था। पुलिस ने यह जानकारी दी। दूदू के पुलिस उपाधीक्षक दीपक खंडेलवाल ने बताया कहा कि 25 वर्षीय कैलाश गुर्जर 60 प्रतिशत झुलस गया था। उसकी सोमवार देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि महिला सोनी गुर्जर भी इस घटना में 45 प्रतिशत झुलस गई। उसका एसएमएस अस्पताल में इलाज हो रहा है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की मोदी से मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली में मंगलवार को देश के सबसे लोकप्रिय नेता और राष्ट्रप्रथम की भावना के प्रतीक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट सिर्फ औपचारिक मुलाकात नहीं रही बल्कि यह मार्गदर्शन, विश्वास और राजनीतिक ऊर्जा का नया अध्याय साबित हुई।

प्रधानमंत्री की कार्यशैली की वशलळीळींशपशीी और राष्ट्रहित की प्राथमिकता हर संवाद में साफ झलकती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद यह संदेश अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है। राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार के दो वर्ष पूरे होना केवल सरकार की उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि सुशासन और जनकल्याण की निरंतरता का सबूत है। केंद्र और राज्य, दोनों स्तरों पर नीतियों की समान दिशा ने प्रदेश में विकास की रफ्तार को मजबूत किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री को राजस्थान पधारने का आमंत्रण दिया गयाजो यह दर्शाता है कि प्रदेश विकास की बड़ी परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर केंद्र के साथ पूरी तालमेल में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति हमेशा प्रशासनिक तत्परता और राजनीतिक संदेश दोनों को मजबूत करती है।

राजस्थान आगे भी प्रधानमंत्री के नक्शे-कदम पर चलते हुए 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।राज्य की दिशा साफ हैविकास की राष्ट्रीय धारा में न सिर्फ शामिल रहना, बल्कि अपनी भागीदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाना।

राज्यपाल ने स्थापना दिवस पर विभिन्न राज्यों के लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। लोकभवन में मंगलवार को उत्तराखंड, झारखंड, असम और नागालैंड का स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस दौरान इन प्रदेशों के निवासियों से संवाद कर उन्हें स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। राज्यपाल बागडे ने कहा कि राजस्थान की धरती आत्मीयता से जुड़ी है। यहां आरम्भ से ही भक्ति और अध्यात्म की परम्परा है। इसीलिए यहां के लोग मिलनसार हैं। उन्होंने विभिन्न राज्यों के निवासियों से संवाद करते हुए कहा कि वे अपने राज्यों के विकास के साथ राजस्थान के विकास में भी सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि 'लोकभवन' में राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साक्षात हम सभी महसूस कर सकें। राज्यपाल ने विभिन्न राज्यों की विशेषताओं के साथ वहां के लोगों के राष्ट्र प्रेम की चर्चा करते हुए कहा कि भाषा, रहन-सहन, खान-पान में भले ही सब अलग-अलग हों परन्तु मन से हम सभी भारतीय हैं।

उन्होंने उत्तराखंड को देवभूमि बताते हुए कहा कि आदि शंकराचार्य ने तीर्थ परम्परा की शुरूआत उत्तराखंड के तीर्थों से ही की। इसके पीछे मकसद यही था कि लोग घरों से बाहर निकले और दूसरे स्थानों को जानें। उन्होंने झारखंड को खनिज संपदा से समृद्ध बताते हुए वहां आजादी के लिए लड़ी गई लड़ाई और धरती आबा कहे जाने वाले बिरसा मुंडा को याद किया। उन्होंने कहा कि असम पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार है। ब्रह्मपुत्र के साथ कामाख्या का पावन शक्तिपीठ असम में है। उन्होंने नागालैण्ड के जनजातीय जीवन और वहां प्रकृति से जुड़े सरोकारों की भी चर्चा की। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना वित्तीय वर्ष 2025-26 का आज से प्रदेश भर में शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत के निर्देशन में प्रदेश में पशुधन संरक्षण को एक नया आयाम देने के लिए सरकार संकल्पित होकर काम कर रही है। इसी दृष्टि से पशुपालकों के आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए एवं उन्हें आर्थिक संबल प्रदान किए जाने हेतु मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत राज्य में 21 लाख पशुओं का निःशुल्क बीमा किया जाना है। पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए बीमा का काम आज से प्रारंभ हो गया है। इस वर्ष का पहला बीमा अजमेर जिले के जीरोता गांव की सुरता देवी की दो भैंसों के लिए सफलतापूर्वक हुआ। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बीमा के कार्य में गति और सुगमता लाने के

उद्देश्य से प्रक्रिया में कुछ परिवर्तन किए गए हैं। इस बार पहले आओ पहले पाओ के आधार पर बीमा का काम होगा जबकि पिछले वर्ष यह लॉटरी द्वारा किया गया था। इस वर्ष पशु चिकित्सक और सर्वेयर एक साथ काम करेंगे और पशुओं का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी करने के साथ ही बीमा पॉलिसी भी जारी कर दी जाएगी। इससे पशुपालकों को लाभ मिलने में तो आसानी होगी ही साथ ही काम में भी गति आएगी।

उल्लेखनीय है कि आज से प्रदेश के हर राजस्व गांव में योजना बनाकर शिविर आयोजित किए जाएंगे जिससे अधिकतम पशुपालक प्रारंभिक चरण में ही योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। योजना के नियमों के अनुसार इस वर्ष एक पशुपालक एक जन आधार पर दो गाय, दो भैंस अथवा एक गाय और एक भैंस, 10 ऊंट तथा 10 भेड़ या 10 बकरियों का निःशुल्क बीमा करवा सकता है। पशुपालक शिविरों से पूर्व या शिविरों के दौरान भी स्वयं पंजीकरण कर सकेंगे। इसके लिए मंगला पशु बीमा योजना 25-26 का मोबाइल एप लॉन्च किया गया है जो गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इस एप के माध्यम से जन आधार का उपयोग कर पशुओं का पंजीकरण कुछ ही मिनटों में किया जा सकता है। पशुपालक ई-मित्र के माध्यम से भी 30 रुपये की राशि अदा कर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

स्थानीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में राजनैतिक आरक्षण को लेकर जयपुर में ओबीसी आयोग ने किया जनसंवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्थानीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में राजनैतिक प्रतिनिधित्व को लेकर राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग ने मंगलवार को जिला परिषद सभागार में संभाग स्तरीय जनसंवाद एवं परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया।आयोग की जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम में आयोग के माननीय अध्यक्ष सेवानिवृत न्यायाधीश मदन लाल भाटी एवं सदस्यों गोपाल कृष्ण, प्रो. राजीव सक्सेना, मोहन मोरवाल, पवन मंडाविया व सचिव अशोक कुमार जैन ने जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों, नागरिक संस्थाओं से जनसंवाद किया। कार्यक्रम में मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ, सिविल लाईन्स विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, जिला प्रमुख जयपुर श्रीमती रमा देवी चैपड़ा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद श्रीमती प्रतिभा वर्मा समेत संभाग के सातों जिलों दौसा, अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड, सीकर एवं झुंझुनू से आए जनप्रतिनिधि, सामाजिक व नागरिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत न्यायाधीश मदन लाल भाटी ने कहा कि आयोग संभाग स्तर पर संवाद के माध्यम से अन्य पिछड़ा वर्ग को राजनैतिक प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए फीडबैक लेकर रिपोर्ट तैयार करेगा जिससे ओबीसी वर्ग के लोगों को स्थानीय निकायों एवं पंचायतीराज संस्थाओं में पर्याप्त संख्या में राजनैतिक प्रतिनिधित्व मिल सकेगा।

उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा स्वतंत्र रूप से सर्वे भी कराया जाएगा जिसमें 19 बिंदुओं पर रिपोर्ट लेते हुए ओबीसी वर्ग का राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक पिछड़ेपन का पारदर्शिता से आकलन किया जा सके। उन्होंने बताया कि आयोग ओबीसी वर्ग के वंचितों को आरक्षण का लाभ मिल सके इसके लिये राजनैतिक प्रतिनिधित्व के लिये सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों के अनुरूप सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

आयोग के सदस्य सचिव अशोक जैन ने आयोग के गठन एवं उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों की पालना में राजनैतिक प्रतिनिधित्व के लिये आयोग संवाद एवं सर्वे कर रहा है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा सर्वे के लिये स्वतंत्र संस्था के साथ मोबाइल एप से भी सहायता ली जाएगी जिससे सटीक जानकारी मिल सके। उन्होंने स्थानीय निकायों में राजनैतिक आरक्षण के संबंध में आयोग के कार्यालय, मेल के द्वारा अथवा व्यक्तिशः मिलकर सुझाव देने के बारे में भी अनुरोध किया। सिविल लाइन्स विधायक डॉ. गोपाल शर्मा ने ओबीसी वर्ग को राजनीति में पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिलाने का आह्वान किया।

कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत ने किया राष्ट्रीय जंबूरी विजेता राजस्थान दल का सम्मान

जयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के उपाध्यक्ष एवं जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने लखनऊ में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी से लौटे प्रदेश दल के पदाधिकारियों को अपने आवास पर आमंत्रित कर सम्मानित किया। मंत्री रावत ने जंबूरी में राजस्थान दल द्वारा प्राप्त सर्वोच्च अवार्ड और विभिन्न श्रेणियों में जीती गई पताकाओं का अवलोकन कर पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्काउट व गाइड संगठन सदैव समाज सेवा, अनुशासन और राष्ट्रहित के कार्यों में अग्रणी रहा है तथा राजस्थान दल ने एक बार फिर राज्य का गौरव बढ़ाया है।

सम्मान समारोह में स्टेट कमिश्नर डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्ना लाल, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) नीता शर्मा सहित कई अधिकारी, प्रशिक्षक और विद्यालयों से आए स्काउट्स व गाइड्स उपस्थित रहे। इस दौरान श्री शेखावत ने जंबूरी का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक गतिविधियों और जंबूरी के दौरान महामहिम राष्ट्रपति, उत्तरप्रदेश की राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री सहित कई विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति की जानकारी दी।

तकनीकी विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय इसरो अंतरिक्ष प्रदर्शनी छात्रों को कर रही है आकर्षित

कोटा। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय (आरटीयू) में जारी तीन-दिवसीय अंतरिक्ष प्रदर्शनी में चंद्रयान और मंगलयान, रॉकेट तथा रोवर के 'मॉडल' और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की खास अंतरिक्ष विज्ञान बस बड़ी संख्या में छात्रों को आकर्षित कर रही हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि विक्रम साराभाई अंतरिक्ष प्रदर्शनी एक से तीन दिसंबर तक इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी), अहमदाबाद के सहयोग से आयोजित की जा रही है। यहां आने वाले लोग इस कार्यक्रम के तहत फिल्म स्क्रीनिंग, मिशन प्रदर्शनी के माध्यम से भारत की तकनीकी क्षमताओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं जबकि इसरो वैज्ञानिकों के साथ सीधी बातचीत भी कर सकते हैं।

झालावाड़-बारां सीट से पूर्व कांग्रेस उम्मीदवार जमीन के फर्जी दस्तावेज संबंधी आरोप में गिरफ्तार

कोटा। झालावाड़-बारां लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व उम्मीदवार प्रमोद शर्मा को उनके दो सहयोगियों के साथ झालावाड़ शहर में एक कीमती भूमि के स्वामित्व के दस्तावेजों में कथित जालसाजी से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। फोरेंसिक जांच में दस्तावेजों में जालसाजी की पुष्टि होने के बाद, सोमवार सुबह शर्मा को उनके घर से हिरासत में लिया गया। झालावाड़ निवासी शर्मा ने 2019 के आम चुनावों में कांग्रेस के टिकट पर झालावाड़-बारां सीट से दुष्यंत सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ा था और उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

झालावाड़ के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के अनुसार, स्थानीय निवासी महेश डागा द्वारा मार्च 2024 में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर प्रमोद शर्मा और उनके दो सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपियों ने झालावाड़ में घड़िया महादेव मंदिर के पास 540 वर्ग फुट के एक प्रमुख भूखंड पर स्वामित्व का अवैध रूप से दावा करने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेज बनाए।

कांग्रेस नेताओं ने संसद, सांसदों और कर्मचारियों का अपमान किया: भाजपा ने कुत्ता विवाद पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और रेणुका चौधरी की संसद परिसर में कुत्ता लाने पर उठे विवाद पर की गई टिप्पणियों की आलोचना की।

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने न केवल संसद की मर्यादा और गरिमा को ठेस पहुंचाई, बल्कि वहां काम करने वाले सभी सांसदों, सुरक्षाकर्मियों, अधिकारियों और दूसरे कर्मचारियों का भी अपमान किया।

एक दिन पहले रेणुका चौधरी संसद परिसर में अपनी गाड़ी में कुत्ता लेकर पहुंची थीं और उन्होंने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया था कि ''अंदर बैठे लोग काटते हैं, कुत्ते नहीं''। उनका कहना था कि वह आवारा जानवर को उठाकर पशु चिकित्सक के पास ले जा रही थीं।

कुछ सांसदों ने कांग्रेस नेता की कार में एक आवारा कुत्ते को लाने पर आपत्ति जताई।

इस मुद्दे पर राहुल गांधी ने मंगलवार को

पत्रकारों के साथ एक अनौपचारिक बातचीत के दौरान पूछने के अंदाज में पहले कहा कि पालतू जानवरों को यहां (संसद परिसर में बाहर) लाने की अनुमति नहीं है?। उन्होंने कहा कि लेकिन 'अंदर' लाने की अनुमति है और इस दौरान उन्होंने संसद भवन की ओर इशारा किया।

इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता पात्रा ने कहा, ''जिस तरह से राहुल गांधी और रेणुका चौधरी के बयान से संसद की मर्यादा और गरिमा को ठेस पहुंची है। दोनों 'आर' को याद रखने की जरूरत है कि एक 'आर' सांसदों की जिम्मेदारी (रेसपांसिबिलिटी) का भी है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी बातों से राहुल गांधी और रेणुका चौधरी दोनों ने कांग्रेस के सांसदों समेत सभी संसद सदस्यों, साथ ही संसद में काम करने वाले सुरक्षाकर्मियों, अधिकारियों और दूसरे कर्मचारियों का अपमान किया है।

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपनी हताशा में 'इतने नीचे गिर गई है' कि उसके नेताओं ने संसद में अपनी ही पार्टी के सांसदों और 'दोस्तों' को भी नहीं बख्शा। उन्होंने कहा, ''हो सकता है कि दो पार्टियों के बीच ज्यादा सहमति न हो; असहमति हो सकती है। लेकिन हम दुश्मन नहीं हैं और एक-दूसरे के खून के प्यासे नहीं हैं।''

राहुल ने संसद परिसर में कुत्ता लाने को लेकर की टिप्पणी, भाजपा ने निशाना साधा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी द्वारा संसद भवन में एक आवारा कुत्ता लाने को लेकर उपजे विवाद के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को तंज कसा और कहा कि मुझे लगता है कि आजकल ऐसी बातें ही देश में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। उन्होंने संसद परिसर में पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की।

राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राहुल गांधी अपनी पार्टी के नेताओं और विपक्षी नेताओं की तुलना कुत्ते से कर रहे हैं। परिवारवादी लोकतंत्र के मंदिर के साथ ऐसा व्यवहार करते हैं।''

राहुल गांधी ने पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत में मजाकिया लहजे में कहा, ''मेरा मानना है कि कुत्ता आज का मुख्य विषय है। बेचारे कुत्ते ने क्या किया है। कुत्ता यहां आया था। उसे अनुमति क्यों नहीं है?'' उन्होंने संसद भवन की इमारत की ओर इशारा किया और विस्तार में जाए बिना कहा, ''यहां पालतू जानवरों को लाने की अनुमति नहीं है, लेकिन उन्हें अंदर अनुमति है।''

संसद भवन में कुत्तों को ले जाने की अनुमति नहीं होने का उल्लेख करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ''मुझे लगता है कि आजकल ऐसी बातें ही देश में चर्चा का विषय बनी हुई हैं।'' कांग्रेस की राज्यसभा सांसद चौधरी सोमवार को एक आवारा कुत्ते को संसद के अंदर ले आईं, जिसके बाद सत्ता पक्ष के सदस्यों ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

सरकार के केंद्रित प्रयासों के कारण गुवाहाटी की वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ: हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार के केंद्रित प्रयासों के कारण गुवाहाटी में वायु-गुणवत्ता प्रबंधन में 'वास्तविक परिणाम' देखने को मिले हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वाहन उत्सर्जन नियंत्रण और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने में लक्षित हस्तक्षेप से सफलता हासिल की है। हिमंत ने पोस्ट में कहा, ''वायु-गुणवत्ता प्रबंधन में हमारे केंद्रित प्रयासों के वास्तविक परिणाम मिलने से गुवाहाटी आज राहत की सांस ले रहा है। जैसा कि हम 'राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस' मना रहे हैं, एक स्वच्छ और हरित गुवाहाटी बनाने के हमारे प्रयासों के बारे में जानें, जिसे आने वाली पीढ़ियां अपना घर कहने पर गर्व करेंगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) का स्तर वित्त वर्ष 2024-25 में 119 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से घटकर 103 हो गया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2025 में असम की रैंकिंग भी 38वें स्थान से सुधरकर 21वें स्थान पर पहुंच गई है। हिमंत ने कहा कि शहर में फिलहाल 256 ई-बस और 100 सीएनजी बस चलाई जा रही हैं।

संजय निषाद बयान विवाद : करणी सेना ने जीभ काटने वाले को इनाम देने का किया ऐलान

बलिया/भाषा। निषाद पार्टी के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के बलिया जिले को लेकर दिए गए बयान पर उठे विवाद के बीच करणी सेना के जिला अध्यक्ष ने निषाद की जीभ 'काटकर लाने' वाले को पांच लाख 51 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की है। कांग्रेस ने भी बांसडीह थाने में मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए शिकायत दी है। यह विवाद बांसडीह में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक में निषाद के भाषण का एक वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ। वीडियो में मंत्री को यह कहते हुए सुना जा सकता है, ''यहां के कई लोग अंग्रेजों के दलाल थे। दलाली की प्रथा चलती रही और यह अब भी जारी है। इसीलिए बलिया अभी भी बर्बाद है। नहीं तो बलिया बागी बलिया था। अंग्रेजों को मारकर भगाया था। देश को आजाद कराया था।'' इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और मंत्री निषाद विपक्षी दलों के साथ ही बलिया के लोगों के भी निशाने पर आ गए। करणी सेना के जिलाध्यक्ष कमलेश सिंह ने कहा कि मंत्री संजय निषाद की जीभ काटकर लाने वाले को वह पांच लाख 51 हजार रुपए का इनाम देंगे।

केंद्र के बकाया राशि रोकने के बावजूद विकास पथ से कभी विचलित नहीं हुए : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि केंद्र द्वारा ग्रामीण प्रगति से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं में राज्य की बकाया राशि रोके रखने के बावजूद राज्य कभी अपने विकास पथ से विचलित नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के 14 साल के शासन के दौरान राज्य में दो करोड़ से अधिक नौकरियां सृजित हुईं तथा भविष्य में एक करोड़ अतिरिक्त नौकरियां पैदा होंगी। वर्ष 2011 से सत्ता में कायम अपनी सरकार के प्रदर्शन का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल केंद्र द्वारा धन रोके जाने से पहले मनरेगा, ग्रामीण आवास, ग्रामीण सड़क निर्माण में लगातार चार बार देश में शीर्ष पर रहा। उन्होंने कहा, इसके बावजूद, हमने अपने संसाधनों का इस्तेमाल करके उन परियोजनाओं को जारी रखने के लिए अपनी योजनाएं शुरू कीं। अब, चुनाव का समय नजदीक आ गया है, केंद्र हमारा बकाया कब चुकाएगा? राज्य में 2026 में चुनाव होने हैं।

बिहार में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा, बिहार में, उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं के बीच 10,000 रुपए बांटे और चुनाव खत्म होने के बाद बुलडोजर चला दिए। हमारे राज्य में महिलाओं को लक्ष्मी भंडार योजना के तहत भी मदद दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 2.2 करोड़ से अधिक महिलाएं वर्तमान में 'लक्ष्मी भंडार' योजना से सहायता प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने खाद्य सुरक्षा योजना 'खाद्य साथी' पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए हैं, जिसके अंतर्गत नौ करोड़ से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सात करोड़ लोगों के लिए 'दुआरे राशन' (सब्सिडी वाले अनाज की घर तक आपूर्ति) पर 1,717 करोड़ रुपए खर्च किए।

अयोध्या में 52 एकड़ क्षेत्र में बनेगा विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने अयोध्या को विश्व स्तर पर एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'टाटा सन्स' के सहयोग से अयोध्या में प्रस्तावित विश्वस्तरीय 'मंदिर संग्रहालय' का दायरा और बड़ा कर दिया है। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस निर्णय की जानकारी दी।

खन्ना ने बताया कि टाटा सन्स ने अपने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) फंड से एक अत्याधुनिक मंदिर संग्रहालय विकसित करने और उसका संचालन करने की इच्छा व्यक्त की है। इसके लिए कंपनी अधिनियम-2013 की धारा आठ के तहत एक गैर-लाभकारी इकाई बनायी जाएगी, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के लिए भूमि आवंटन के वास्ते केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और टाटा सन्स के बीच त्रिपक्षीय समझौता (एमओयू) तीन सितंबर 2024 को हस्ताक्षरित हो चुका है। खन्ना ने बताया कि पूर्व में प्रदेश सरकार ने अयोध्या के मांझा जमथरा गांव में 25 एकड़ नजूल भूमि टाटा सन्स को 90 वर्षों के लिए उपलब्ध कराने की अनुमति दी थी, लेकिन टाटा सन्स ने संग्रहालय की भव्यता के दृष्टिगत अधिक भूमि की अपेक्षा की थी। ऐसे में अब इस भूमि के अतिरिक्त 27.102 एकड़ और मिलाकर कुल 52.102 एकड़ भूमि का निःशुल्क हस्तांतरण आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से पर्यटन विभाग के पक्ष में किया जाएगा ताकि परियोजना का दायरा और बड़ा किया जा सके।

संचार साथी ऐप को अनिवार्य बनाने का आदेश निजता पर हमला : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सभी नए स्मार्टफोन में 'संचार साथी' ऐप को पहले से इंस्टॉल करने के दूरसंचार विभाग के आदेश को व्यक्तिगत निजता पर खुला हमला बताते हुए मंगलवार को इस ''फरमान'' को तुरंत वापस लेने की मांग की।

दूरसंचार विभाग ने मोबाइल हैंडसेट निर्माताओं और आयातकों को निर्देश दिया है कि 90 दिनों के भीतर सभी नए उपकरणों में धोखाधड़ी की जानकारी देने वाला ऐप 'संचार साथी' पहले से इंस्टॉल होना चाहिए।

मैं हिंदी सीखूंगा, यह मेरा अधिकार है : मुरुगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। केंद्रीय सूचना और प्रसारण और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने मंगलवार को कहा कि तमिलनाडु में राजनीति के कारण, वह हिंदी नहीं सीख पाए, और जो भी हिंदी उन्होंने सीखी, वह दिल्ली आने के बाद सीखी। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी सीखना उनका अधिकार है।

काशी तमिल संगमम 4.0 के उद्घाटन समारोह में मुरुगन ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में (केंद्रीय शिक्षा मंत्री) धर्मेंद्र प्रधान जी नई शिक्षा नीति लाए। लेकिन, हमारे तमिलनाडु में राजनीति के कारण, मैं हिंदी नहीं सीख पाया। मैंने जो भी हिंदी सीखी, वह दिल्ली आने के बाद सीखी। मेरी हिंदी टूटी-फूटी है, और अगर कोई गलती हो तो कृपया

मुझे माफ़ करें। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि वह इस मंच से राजनीति के बारे में नहीं बोलेंगे। मुरुगन ने कहा, लेकिन, मुझे हिंदी सीखने का मौका क्यों नहीं दिया जा रहा है? मैं हिंदी सीखूंगा, यह मेरा अधिकार है। लेकिन, वहां कोई मौके नहीं हैं (जाहिर तौर पर तमिलनाडु का जिक्र करते हुए)।

नई शिक्षा नीति में सुझाया गया तीन-भाषा का फ़ॉर्मूला विवादों में रहा है, क्योंकि तमिलनाडु ने केंद्र पर हिंदी थोपने का आरोप लगाते हुए इसे लागू करने से मना कर दिया है। केंद्र ने हालांकि, तमिलनाडु के आरोप को गलत बताया है।

मंगलवार को शुरू हुआ काशी-तमिल संगमम (केटीएस 4.0) का चौथा संस्करण एक प्रमुख सांस्कृतिक और शैक्षणिक समागम है। इसे उत्तर प्रदेश सरकार के साथ-साथ रेल, संस्कृति, पर्यटन, वस्त्र और युवा मामले एवं खेल सहित दस केंद्रीय मंत्रालयों की भागीदारी से शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस संस्करण के लिए आईआईटी मद्रास और बीएचयू नॉलेज पार्टनर के रूप में काम कर रहे हैं। काशी-तमिल संगमम का 2025 संस्करण तमिल कन्कलम विषय पर केंद्रित होगा, जिसका उद्देश्य पूरे भारत में तमिल भाषा सीखने को बढ़ावा देना और देश की शास्त्रीय भाषाई तथा साहित्यिक विरासत के प्रति सराहना को गहरा करना है।

विपक्ष मणिपुर को लेकर 'मगरमच्छ के आंसू' बहा रहा है : वित्त मंत्री सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में विपक्ष पर मणिपुर के लिए 'मगरमच्छ के आंसू' बहाने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य के संबंध में उनकी सभी चिंताएं 'ड्रामा' है।

वित्त मंत्री ने मणिपुर माल एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025 पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''2024 में पूरा साल वे (विपक्षी नेता) मणिपुर के लिए मगरमच्छ के आंसू बहाते रहे...क्या प्रधानमंत्री ने वहां का दौरा किया, क्या गृह मंत्री ने वहां का दौरा किया, क्या वहां की कानून व्यवस्था सामान्य हुई। वे बार-बार मणिपुर से जुड़ा मुद्दा उठाते रहे।''

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कुछ अन्य मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के बीच इस विधेयक पर चर्चा हुई। बाद में विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

सीतारमण ने कहा कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन होने के कारण जब राज्य के बजट के लिए विधेयक यहां लाया गया तो उस समय भी विपक्ष के सदस्यों ने चर्चा में भाग नहीं लिया।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के कारण राज्य का बजट संसद में पेश किया गया था। उन्होंने कहा, ''उस समय भी उन लोगों ने मणिपुर के लोगों के हितों का ध्यान नहीं रखा... आज भी उन्होंने मणिपुर से जुड़े विधेयक पर चर्चा में भाग नहीं लिया।'' उन्होंने कहा, ''मणिपुर के संबंध में उनकी सभी चिंताएं, प्रधानमंत्री पर आरोप लगाना, गृह मंत्री पर आरोप लगाना सिर्फ ड्रामा है।'' वित्त मंत्री ने कहा कि विपक्ष की भूमिका जिम्मेदारी से भरी होती है और जिस राज्य की वह बार-बार बात कर रहा है, उस राज्य से संबंधित बजट या कानून के पारित होने के समय उसे चर्चा में शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''विपक्ष मगरमच्छ के आंसू बहा रहा है। जब मणिपुर से संबंधित महत्वपूर्ण विधेयक आता है तो वे भाग जाते हैं, चर्चा में भाग नहीं लेते। यह शर्मनाक है। आज भी उन्होंने राज्य में जीएसटी लागू करने के लिए लाए गए विधेयक पर चर्चा में हिस्सा नहीं लिया।'' उन्होंने कहा कि कहा कि यह विधेयक मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) अध्यादेश की जगह लेगा, जिसे सात अक्टूबर, 2025 को लागू किया गया था।

मणिपुर जीएसटी विधेयक को मिली संसद की मंजूरी, राज्यसभा ने चर्चा के बाद लौटाया

नई दिल्ली/भाषा। संसद ने मंगलवार को मणिपुर माल एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी जो इस संबंध में लाए गए अध्यादेश की जगह लेगा। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कुछ अन्य मुद्दों पर विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के बीच राज्यसभा में आज इस विधेयक पर चर्चा शुरू हुई। उच्च सदन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद इस विधेयक को ध्वनिमत से लौटा दिया। लोकसभा ने एक दिन पहले ही इस विधेयक को मंजूरी दी थी।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कल सोमवार को लोकसभा में एसआईआर के मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच मणिपुर माल एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025 को सदन में चर्चा और पारित करने के लिए प्रस्तुत किया था। वित्त मंत्री ने उच्च सदन में विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि यह विधेयक मणिपुर माल और सेवा कर (दूसरा संशोधन) अध्यादेश की जगह लेगा, जिसे सात अक्टूबर, 2025 को लागू किया गया था।

ओडिशा में पिछले पांच वर्षों में 207 बड़ी पाइप जलापूर्ति परियोजनाओं में 25 ही पूरी हो पायीं : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार द्वारा पिछले पांच वर्षों में शुरू की गई 207 बड़ी पाइप जलापूर्ति परियोजनाओं में से केवल 25 ही पूरी हो पायी हैं। मंगलवार को विधानसभा को यह जानकारी दी गई।

पेयजल परियोजनाओं के पूरा होने में देरी पर कई सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए, पंचायती राज और पेयजल मंत्री (पीआर एंड डीडब्ल्यू) रबी नारायण नाइक ने कहा कि 207 परियोजनाओं में से 25 ही वित्त वर्ष 2020-21 से 2025-26 तक पूरी हो पायी हैं। उन्होंने कहा कि पिछली (बीजद) सरकार ने केवल तीन बड़ी पेयजल आपूर्ति परियोजनाएं पूरी की थीं, जबकि वर्तमान (भाजपा) सरकार ने पिछले 17 महीनों में 22 से ज़्यादा परियोजनाएं पूरी की हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह, पिछली बीजद सरकार ने केवल 16 परियोजनाओं में ही निर्माण कार्य पूरा किया था, जबकि वर्तमान सरकार ने 66 परियोजनाओं में 90 प्रतिशत से ज़्यादा निर्माण कार्य पूरा किया है।

नाइक ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में राज्य में सौर पंप और लघु पेयजल परियोजनाओं में तेजी आई है।

देश में मुफ्त दवा वितरण में बिहार शीर्ष पर, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार पिछले एक वर्ष से मरीजों को मुफ्त दवा उपलब्ध कराने के मामले में देश में पहले स्थान पर बना हुआ है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्यभर के मेडिकल कॉलेजों से लेकर गांवों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक दवाओं की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के कारण यह सफलता मिली है। अधिकारियों का कहना है कि गंभीर बीमारियों से लेकर सर्दी, खांसी, बुखार जैसे सामान्य रोगों के इलाज तक, सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को तेजी से मजबूत कर रही है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की मासिक रैंकिंग में बिहार ने पिछले वर्ष अक्टूबर में 79.34 अंकों के साथ राजस्थान को पछाड़कर पहला स्थान हासिल किया था और तब से लगातार इस पायदान पर बना हुआ है। इस वर्ष अक्टूबर में फिर से बिहार ने 81.35 अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान बरकरार रखा। राजस्थान 77.77 अंकों के साथ दूसरे और पंजाब 71.80 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार राज्य ने दवा और अन्य चिकित्सकीय सामग्री की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ग्लोबल पोज़िशनिंग सिस्टम (जीपीएस) से लैस 165 औषधि वाहनों की सेवा शुरू की है।

इन वाहनों के माध्यम से विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों तक समय पर दवाओं की आपूर्ति की जा रही है, जिससे दवा की निजी दुकानों पर निर्भरता कम हुई है।

विभाग के अनुसार सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध दवाओं की जानकारी मरीजों को आसानी से मिल सके, इसके लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में क्यूआर कोड लगाया गया है। इससे मरीज और उनके परिजन यह जान सकते हैं कि संबंधित अस्पताल में कौन-कौन सी दवाएं उपलब्ध हैं।

लंबी अवधि के प्रारूप मुझे रास आते हैं, विकेटों के बीच दौड़ने पर कोहली से सलाह लेता हूं: तिलक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को लंबे प्रारूपों में खेलना रास आता है और वह विराट कोहली से फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह ले रहे हैं ताकि आने वाले मौकों का पूरा फायदा उठा सकें। तेइस वर्षीय इस खिलाड़ी ने अब तक सिर्फ चार वनडे खेले हैं जबकि उन्हें टेस्ट टीम में मौका मिलने का इंतजार है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा वनडे शृंखला में टीम में कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की मौजूदगी से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। तिलक ने 'जियोस्टार' से कहा, '' वनडे और

टेस्ट क्रिकेट मेरे खेल के मुताबिक है और मैं इसका अधिक लुत्फ उठाता हूं। मैं और वनडे खेलने के लिए उत्साहित हूं। जब रोहित भाई और विराट भाई एक ही टीम में होते हैं, तो आत्मविश्वास का स्तर बिल्कुल अलग होता है।'' उन्होंने रोहित और कोहली की तारीफ करते हुए कहा, ''उनके पास अपार अनुभव और ज्ञान है। मैं बेहतर होने के लिए उनसे ज्यादा से ज्यादा सलाह लेने की कोशिश करता हूं।'' इस युवा वामहस्त बल्लेबाज ने कहा कि वह कोहली से खास तौर पर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में सलाह लेते रहे हैं क्योंकि वह इस मामले में वह उत्कृष्टता हासिल करना चाहते हैं। तिलक ने कहा, ''मैं विराट भाई से काफी बात करता हूं, खासकर फिटनेस और विकेटों के बीच दौड़ के बारे में उनकी सलाह लेता हूं। मुझे भी दौड़ना पसंद है और मुझे लगता है कि इस मामले में मैं काफी तेज हूं।'' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा वनडे शृंखला के बारे में तिलक ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुझे जब भी मौके मिलेंगे, मैं उन मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ करना चाहूंगा। मैं वनडे और टेस्ट में भी खुद को साबित करना चाहता हूं।''

अगर आलोचना पर ध्यान दूंगा तो खुलकर नहीं खेल पाऊंगा: तेज गेंदबाज हर्षित राणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर द्वारा कथित तौर पर पक्ष लेने के लिए निशाने पर रहने वाले तेज गेंदबाज हर्षित राणा का कहना है कि वह बाहर के किसी भी शोर पर ध्यान नहीं देते क्योंकि ऐसा करने से वह खुलकर क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे।

गंभीर के कार्यकाल में 23 साल के इस तेज गेंदबाज ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पर्थ टेस्ट में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद भारत के लिए सभी प्रारूपों में पदार्पण किया है। हालांकि हर्षित ने अपने प्रदर्शन से सभी प्रारूपों में काफी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन उन्हें टीम के मुख्य कोच का पूरा समर्थन मिला है। हर्षित से जब पूछा गया कि वह सोशल

मीडिया पर प्रशंसकों सहित अन्य लोगों की आलोचना से कैसे निपटते हैं तो उन्होंने कहा, ''अगर मैं इन सब बातों को सुनना शुरू कर दूं और उन्हें अपने दिमाग में रखकर मैदान पर उतरूं तो मैं क्रिकेट नहीं खेल पाऊंगा।'' उन्होंने कहा, ''मैं जितना हो सके इससे बचने की कोशिश करता हूं। मैं बस इस बात पर ध्यान देता हूं कि मुझे मैदान पर क्या करना है। मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि बाहर क्या हो रहा है या कोई मेरे बारे में क्या कह रहा है।''

सुविचार

बुराई बड़ी हो या छोटी, हमेशा विनाश का कारण बनती है। क्योंकि नाव में छेद छोटा हो या बड़ा नाव को डूबा ही देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हमारी जवानी, उनकी समृद्धि

प्रख्यात अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के बयान कि 'भारत से आए प्रतिभाशाली लोगों से अमेरिका को बहुत फायदा हुआ है', के बाद सोशल मीडिया पर कई लोग इसे एक महान घटना बताते हुए इस पर खुशी मना रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि भारतीय युवा बहुत मेहनती, बुद्धिमान और प्रतिभाशाली होते हैं। उन्होंने पश्चिमी देशों में ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन्हें देखकर दुनिया के सबसे धनवान लोगों में से एक शख्स को उनकी तारीफ करनी पड़ रही है। हमारे युवा बहुत काबिल हैं। इसमें नई बात क्या है? इन युवाओं के दम पर अमेरिकी कंपनियां समृद्ध हो रही हैं। इसमें फायदा किसका है? अगर ये युवा भारत में रहकर अपनी प्रतिभा का कमाल दिखाते तो अपने देश को फायदा पहुंचाते! वास्तव में यह खुशी मनाने से ज्यादा आत्मचिंतन करने का समय है। क्या वजह है कि हमारे युवाओं को अमेरिका जाकर नौकरी करनी पड़ रही है? उन्हें उस देश को ताकतवर बनाना पड़ रहा है, जिसका राष्ट्रपति हमें आए दिन टैरिफ की धमकियां दे रहा है और पाकिस्तान की पीठ थपथपा रहा है? ये अत्यंत गंभीर प्रश्न हैं, जो सोशल मीडिया के 'लाइक, शेयर और सब्सक्राइब' में खोने नहीं चाहिएं। यह कहना बिल्कुल बेबुनियाद है कि 'भारत के प्रतिभाशाली युवा सिर्फ मोटी कमाई करने के लिए अमेरिका जाते हैं।' ये युवा भारत से बहुत प्रेम करते हैं। ये अपनी भारतीय पहचान पर गर्व करते हैं। इनके अमेरिका जाने की बहुत बड़ी वजह है– भारत में पर्याप्त अवसर न मिलना। अमेरिका में व्यवस्था ऐसी है कि प्रतिभाशाली व्यक्ति को अवसर और संसाधन, दोनों मिल जाते हैं।

वहां कई युवा तो ऐसे हैं, जिन्होंने पढ़ाई के दौरान ही अपना व्यवसाय शुरू कर दिया था। अमेरिका में अपने व्यवसाय का रजिस्ट्रेशन कराने से लेकर दूसरी तमाम औपचारिकताएं पूरी करना कोई मुश्किल काम नहीं है। युवाओं को बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। व्यवसाय करने वाले युवाओं को विभिन्न कार्यक्रमों में बुलाकर उनके विचार सुने जाते हैं। भारत में सरकारी नौकरियों पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाता है। अगर कोई युवा व्यवसाय शुरू करने का इरादा रखता है तो परिवार, पड़ोसी, रिश्तेदार – हर कोई उसे हतोत्साहित करने को अपना नैतिक कर्तव्य समझने लगता है। उसके सामने ऐसे लोगों की मिसाल दी जाती है, जो दस साल तैयारी करने के बाद कोई सरकारी नौकरी पा गया। इतना ही नहीं, उसे कुछ खास तरह के उदाहरण देकर डराया जाता है। जैसे– 'हमारे एक रिश्तेदार को भी ऐसा ही शौक चर्राया था। वे सबकुछ डुबोकर घर बैठे हैं। ... हमारे पड़ोसी का लड़का भी ऐसे ही ऊंचे ख्वाब देखता था। उसने जुए-सट्टे में सबकुछ उड़ा दिया। कुछ नहीं धरा इन सपनों में ... किसी तरह एक नौकरी पकड़ लें, उससे आगे कुछ न सोचें।' जहां कदम-कदम पर मनोबल तोड़ा जाएगा, वहां कोई युवा कितनी ऊर्जा के साथ व्यवसाय कर पाएगा? सरकारी दफ्तरों की कार्यशैली का अलग ही आलम है। वहां व्याप्त सुस्ती, भ्रष्टाचार और पुराना ढर्रा बड़ी रुकावटें हैं। हालांकि पिछले एक दशक में कुछ सुधार हुए हैं। अभी और सुधारों की जरूरत है। देश की जवानी देश की उन्नति में लगनी चाहिए। इसके लिए अनुकूल माहौल बनाएं। भारत के प्रतिभाशाली युवाओं के सामने आने वाले कुछ अवरोधक हटाएं। उनकी शिकायतों पर तुरंत ध्यान दिया जाए। इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। ऐसी व्यवस्था का निर्माण किया जाए, जिसमें युवाओं को नेताओं और सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। 'जवान और किसान' की तरह उद्यमी का भी सम्मान किया जाए। सरकारें अभी इतना कर दें तो इस देश के प्रतिभाशाली युवा अपनी काबिलियत से कमाल करके दिखा देंगे।

ट्वीटर टॉक

लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष मनोहर गजानन जोशी की जयंती पर संविधान सदन में पुष्पांजलि अर्पित की। अपने सुदीर्घ सार्वजनिक जीवन के साथ ही भारतीय विधायी प्रणाली में और अधिक सकारात्मक मूल्यों का समावेश करने के लिए मनोहर गजानन जोशी सदैव स्मरण किए जाएंगे।

–ओम बिरला

उदयपुर शहर के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्री फतेह सिंह राठौर, कोटा शहर की नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्रीमती राखी गौतम, कोटा देहात के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष श्री भानु प्रताप सिंह एवं श्रीगंगानगर के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रुपिन्दर सिंह कुन्नर ने शिष्टाचार भेंट की।

–अशोक गहलोत

श्रद्धेय श्री प्रमेन्द्रनाथ महाराज जी के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर धाम में आयोजित पावन महागद्दी कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं महाराज जी का आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन व आशीर्वाद का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

–राज्यवर्धन सिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

समर्पण के अहसास

पार्वती जी का नियम था कि वे नित्य विष्णुसहस्रनाम का पाठ करती थीं, एक दिन किंचित विलम्ब हुआ तो भगवान शंकर ने यह कहा कि मैं तो यह समझता हूं कि आप एक बार राम नाम ले लीजिए, फलतः आपका पाठ पूरा हो जाएगा। पार्वती जी ने ऐसा ही किया एवं 'राम' नाम ले लिया और शंकर जी के साथ भोजन करने बैठ गईं। इससे शिव जी इतने प्रसन्न हुए कि जैसे ही पार्वती जी ने भोजन समाप्त किया, शंकर जी ने पार्वती जी को अपने आलिंगन में ले लिया, उन्हें अपने में मिला करके अर्धनारीश्वर बन गए, एकाकार हो गए।

पार्वती जी ने पूछा कि महाराज! विवाह के मंडप में विवाह हो जाने तक आप अर्धनारीश्वर नहीं बने, आज ही आप अर्धनारीश्वर क्यों बने! शंकर जी ने कहा कि हे पार्वती! मुझे विश्वास चाहिए और सच्चे अर्थों में अगर तुममें विश्वास की कमी होती तो तुम प्रतिप्रश्न करके पूछतीं कि हजार नाम और एक नाम बराबर कैसे हो जाएंगे? लेकिन आज सच्चे अर्थों में हम और तुम मिल करके दोनों एक हो गए।

सामयिक

अतृप्त पितरों की शांति व मोक्ष के लिए पिशाचमोचन यात्रा

अशोक प्रवृद्ध

मोबाइल : 7631057837

तीन दिसम्बर को पिशाचमोचन यात्रा है। भारतीय संस्कृति में भगवान शिव के त्रिशूल पर टिके काशी को मोक्ष की नगरी की संज्ञा प्राप्त है। संसार के सबसे प्राचीन जीवित नगरी काशी से ही भगवान शिव ने सृष्टि रचना का प्रारंभ किया था। यहां साक्षात संसार के नाथ अर्थात विश्वनाथ विराजमान हैं। यहां अंतिम सांस लेने वाले मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होने की मान्यता के कारण कई लोग अपने अंतिम समय में भगवान शिव की प्रिय नगरी काशी में ही आकर बस जाते हैं। मोक्ष नगरी काशी में चेतगंज थाने के पास पिशाच मोचन कुंड स्थित है, जहां भगवान शिव, ब्रह्मा और विष्णु (कृष्ण) के ताप्तिक रूप में मानकर तर्पण और श्राद्ध का कार्य किया जाता है। मान्यतानुसार यहां त्रिपिंडी श्राद्ध करने से पितरों को प्रेत बाधा और अकाल मृत्यु से मरने के बाद व्याधियों से मुक्ति मिल जाती है। इसलिए पितृ पक्ष के दिनों पिशाच मोचन कुंड पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ती है। मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को भी काशी के पिशाचमोचन यात्रा का विधान है। श्राद्ध की इस विधि और पिशाच मोचन तीर्थस्थली का वर्णन गरुड़ पुराण में भी अंकित है। गरुड़ पुराण के काशी खंड की मान्यता के अनुसार पिशाच मोचन मोक्ष तीर्थ स्थल की उत्पत्ति गंगा के धरती पर आने से भी पहले से है। मान्यता है कि सहस्त्राधिक वर्ष पुराने इस कुंड के किनारे बैठ कर अपने अतृप्त, असंतुष्ट आत्माओं वाले पितरों के लिए पितृ पक्ष में आकर कर्म कांडी ब्राह्मण से पूजा करवाने से मृतक को प्रेत योनियों से मुक्ति मिल जाती है। इसके लिए कुंड के समीप अवस्थित पीपल के पेड़ पर सिक्का रखवाया जाता है, ताकि पितरों का सभी उधार चुकता हो जाए और पितर सभी बाधाओं से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त कर सकें तथा यजमान भी पितृ ऋण से मुक्ति पा सके। प्रेत बाधाएं तीन तरीके की होती हैं। इनमें सात्विक, राजस, तामस शामिल हैं। इन तीनों बाधाओं से पितरों को मुक्ति दिलवाने के लिए काला, लाल और सफेद झंडे लगाए जाते हैं।

वर्तमान में कुंड के चारों तरफ पक्का पूजन तर्पण स्थल बनाया गया है, जो विशाल जन समूह को शास्त्रीय विधि से तर्पण को सुगम बनाता है। भारत में सिर्फ पिशाच मोचन कुंड पर ही त्रिपिंडी श्राद्ध होता है, जो पितरों को प्रेत बाधा और अकाल मृत्यु की बाधाओं से मुक्ति दिलाता है। मान्यता के अनुसार यहां कुंड़ के पास स्थित एक पीपल के पर अतृप्त आत्माओं को बैठाया जाता है। काशी खंड के अनुसार पिशाच कुंड को मूल रूप से विमल तीर्थ अथवा विमलोदक तीर्थ के नाम से जाना जाता है। यहाँ कपर्दि नामक एक शिव गण ने एक जल निकाय– विमल तीर्थ बनाया था और इस स्थान पर शिव की पूजा की थी, जिससे कपर्दीश्वर महादेव अस्तित्व में आए। कालांतर में यह स्थान तपस्या के लिए एक स्थान के रूप में प्रसिद्ध हो गया। वर्तमान में भी भगवान कपर्दीश्वर महादेव को समर्पित एक प्राचीन मंदिर, खोपड़ियों से सुसज्जित द्वार और ब्रह्मा को समर्पित विभिन्न छोटे मंदिरों के साथ एक जलाशय का शांत वातावरण, निषिद्ध अवस्था से मुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे अपने पूर्वजों के लिए प्रार्थना के समय में स्वागत करता है, ताकि वे काशी के हृदय में प्रवेश करके मोक्ष प्राप्त कर सकें। यह भगवान विश्वनाथ का सिद्धि क्षेत्र है।

इस संबंध में प्रचलित कथा के अनुसार एक समय वाल्मीकि नामक एक पाशुपत ऋषि के विमल तीर्थ पर ध्यान करते समय अपने पिछले जन्म के कर्मों के कारण पिशाच (भूत) योनि को प्राप्त एक ब्राह्मण पिशाच अचानक ऋषि वाल्मीकि को डराने की कोशिश करने लगा, लेकिन बहुत प्रयास के बाद भी उसे सफलता नहीं मिली तो उसने ऋषि को प्रणाम किया और उनसे मुक्ति का उपाय मांगी। ऋषि वाल्मीकि ने उसे तालाब में स्नान करने और भगवान कपर्दीश्वर की पूजा करने के लिए कहा। ऋषि वाल्मीकि के कथनानुसार उस ब्राह्मण पिशाच ने तालाब में स्नान कर भगवान कपर्दीश्वर की पूजा की, जिससे उस पिशाच को पिशाच योनि से मुक्ति मिली। तब से पिशाच मोचन तीर्थ बिहार के गया के अतिरिक्त पिंडदान और त्रिपिंडी श्राद्ध के लिए एक प्रसिद्ध स्थान बन गया।

भारतीय मान्यतानुसार किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसकी आत्मा पितृलोक में निवास करती है। स्वर्ग और पृथ्वी के बीच का क्षेत्र मृत्यु के देवता यम द्वारा शासित है। पूर्वजों की तीन पीढ़ियां पितृलोक में रहती हैं और आश्विन मास के कृष्ण पक्ष में आने वाली पितृ पक्ष के दौरान पृथ्वी का दौरा करती हैं ताकि उन्हें अपने वंश से जल, तर्पण मिल सके। अपने वंश से जल, तर्पण मिलने पर उन्हें मुक्ति की प्राप्ति होती है, लेकिन तर्पण नहीं मिलने पर उन्हें पुनर्जन्म की सजा मिलती है। अगली पीढ़ी के व्यक्ति के मृत्यु को प्राप्त हो जाने पर पहली पीढ़ी स्वर्ग चली जाती है, तथा कर्म और उपरोक्त कारण के आधार पर मोक्ष अथवा पुनर्जन्म प्राप्त करती है। इसीलिए सहृद कर्मकांड पूर्वजों की सिर्फ तीन पीढ़ियों के लिए किया जाता है। मान्यतानुसार पितरों की परेशान आत्माओं के पितृलोक में खुश नहीं होने पर उनका प्रभाव पृथ्वी पर उनके प्रियजनों पर पड़ता है। पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए अनुष्ठानों की एक श्रृंखला में भगवान ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान शिव की पूजा शामिल है, जिन्हें क्रमशः सफेद, पीले और काले कपड़े के मिट्टी के पानी के बर्तन– कलश द्वारा दर्शाया जाता है ताकि वे पूर्वजों को मुक्ति दे सकें। पितृपक्ष के महीने में पिशाच कुंड इन अनुष्ठानों के लिए एक प्रमुख स्थान बन जाता है और दुनिया भर से लोग अपने प्रियजनों को मुक्ति दिलाने के लिए इस स्थान पर आते हैं। कुंड के आस-पास का पूरा इलाका सफेद अथवा गेरुवा कपड़े पहने और मुंडा सिर वाले लोगों की भारी भीड़ से भर जाता है, जो ब्राह्मणों के मार्गदर्शन में पूजा करते हैं। गया के बाद पिशाच मोचन ही एकमात्र ऐसा स्थान है, जहां पूर्वजों के लिए मोक्ष का द्वार खोलने वाली ऐसी पूजा की जा सकती है। गरुण पुराण में भी इस तीर्थ की महिमा का उल्लेख है। मुख्य मंदिर परिसर एक कुंड के किनारे स्थित है। विशाल वृक्षों से भरी हरियाली युक्त शांत वातावरण इसकी दिव्यता को दर्शाती है। कपरदीश्वर महादेव के साथ-साथ कपरदी विनायक (मंदिर पंच कोशी यात्रा के अंतर्गत भी आता है) के दर्शन किया जा सकता है। मंदिर के ठीक बगल में भगवान हनुमान और विष्णु के साथ ब्रह्म की एक छोटी सी जटिल मूर्ति की पूजा की जाती है। पास ही वाल्मीकि टीला पर पिशाचेश्वर महादेव और ऋषि वाल्मीकि का मंदिर है। कुंड के आसपास के क्षेत्र में पंडा अथवा ब्राह्मण द्वारा संचालित कई छोटे मंदिर हैं, जिनके अपने-अपने ईष्टदेव हैं। पिशाचमोचन यात्रा, पिशाचमोचन तीर्थ पर पितरों के लिए श्राद्ध और तर्पण करने से संबंधित है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रेत बाधाओं और अकाल मृत्यु से मुक्ति पाना है। पितरों को पिशाच योनि से मुक्त कर मोक्ष दिलाने के लिए यह यात्रा विशेष रूप से वाराणसी के पिशाचमोचन कुंड पर की जाती है। हालांकि इसके लिए अन्य तीर्थ स्थल जैसे गया, त्र्यंबकेश्वर और हरिद्वार भी माने जाते हैं। इस यात्रा के दौरान, योग्य पंडित की देखरेख में विशेष अनुष्ठान और पूजा की जाती है। यह अनुष्ठान उन पितरों को समर्पित है जिनकी मृत्यु अकाल या दुर्घटना में हुई हो, ताकि उन्हें शांति मिले। मान्यतानुसार यहां स्नान करने से नकारात्मक शक्तियों और भूत-प्रेत बाधाओं से मुक्ति मिलती है। यहां अकाल मृत्यु से मरने वाले लोगों के लिए उनकी आत्माओं को प्रेत योनि से मुक्ति दिलाने के लिए त्रिपिंडी श्राद्ध और नारायण बलि जैसे अनुष्ठान किए जाते हैं। पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए भी लोग यहां श्राद्ध और तर्पण करते हैं। इस श्राद्ध में तीन पिंड बनाए जाते हैं, जो पितृकुंड (पिता), मातृकुंड (माता) और विमल तीर्थ (अन्य दिवंगत परिजन) के लिए होते हैं।

नजरिया

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करने के समान

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एसआईआर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्योरिटी एंड नैशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए।

सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरुआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है।

इस सत्र से सरकार 14 महत्त्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की, संवैधानिक मर्यादाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है।

देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए, तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है; यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है।

सदन की मर्यादा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है। सभापति का सम्मान करना, नियमों का पालन करना, विषय पर रहने वाली बहस करना और असहमति में भी सभ्यता-शालीनता बनाए रखना-ये संसदीय चरित्र के मूल तत्व हैं। इनका पालन ही संसद की शुचिता को बनाए रख सकता है। यदि सरकार बहुमत के अहंकार में विपक्ष की उपेक्षा करती है तो यह गलत है; लेकिन यदि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका छोड़कर केवल अवरोध बन जाए तो यह भी लोकतंत्र के साथ अन्याय है। संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इस दृष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मर्यादा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए प्रेरणा बन सकता है, बशर्ते संसद स्वयं अपने भीतर अनुशासन, शांति और संवाद की संस्कृति को स्थापित करे। यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो। यदि यह संभव हुआ तो यह केवल एक सत्र की सफलता नहीं होगी, बल्कि भारत के लोकतंत्र की विजय होगी।

संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इस ष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मर्यादा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजस्थानी निर्माता निर्देशक राधेश्याम पीपलवा द्वारा निर्देशित दो फिल्मों को मिला पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुम्बई। 14वें जेएफएफ फिल्म फेस्टिवल, जो विश्व का सबसे बड़ा ट्रेवल फिल्म फेस्टिवल है, का मुंबई के एक पंचतारा होटल में पुरस्कार समारोह आयोजित हुआ जिसमें राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त, तीन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और राष्ट्रपति जूरी में सहभागिता निभाने वाले एकमात्र राजस्थानी निर्माता निर्देशक सीकर जिले के फतेहपुर शेखावटी के राधेश्याम पीपलवा इस फिल्म समारोह में भी ऐसे अकेले लेखक निर्देशक हैं जिनकी 2 फिल्में फेस्टिवल में थीं और दोनों विशेष पुरस्कार से 28 नवम्बर को सम्मानित की गयी। पहली फिल्म पुतुल, (पुतुल अर्थात गुड़िया), फिल्म पुतुल को विशेष पुरस्कार ऑडियंस चॉइस अवार्ड से और दूसरी फिल्म फिल्म मोग असूम' को भी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

फिल्म पुतुल को 14 शहरों में सबसे ज्यादा देखा और पसंद किया गया है। यह पुरस्कार 'ग़दर' फिल्म के निर्देशक अनिल शर्मा के हाथों से राधेश्याम पीपलवा और उनकी टीम को प्रदान किया गया। समारोह में महान निर्माता निदेशक रमेश सिप्पी और दक्षिण के सुपरहिट निर्देशक प्रदर्शन को भी सम्मानित किया गया। समारोह में देश विदेश के मशहूर एक्टर राजकुमार राओ जयदीप अहलवात प्रतीक गाँधी निर्देशक सुधीर मिश्रा भी उपस्थित

रहे। कठपुतली आर्ट एंड फिल्म्स तथा आरएस क्रिएशन के बैनर, एवं शरद मित्तल और राधेश्याम पीपलवा द्वारा निर्मित और राधेश्याम पीपलवा द्वारा निर्देशित फ़िल्म पुतुल' की कहानी ईशान वाजपई, राधेश्याम पीपलवा, निरंजन बढाढ़रा ने लिखी। इस फिल्म में वरिष्ठ कलाकार रजत कूपर ने अहम भूमिका निभाई। ओटीटी के कलाकार अहना कुमरा, मानवी गागरू, मानसी रच ने भी सराहनीय कार्य किया है साथ ही सात बालकारों में वेदा अग्रवाल ने मुख्य भूमिका निभाई।

निर्देशक राधेश्याम पीपलवा ने फिल्म के विषय में कहा कि आज समाज में तलाक की दर तेजी से बढ़ी है, परिवार व्यवस्था में जैसे दादा-दादी, नाना-नानी गायब हो रहे हैं उसी तरह एक दिन माता पिता भी नहीं बचेंगे। सिंगल पेरेंट्स वाले परिवारों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे परिवारों में जो छोटे बच्चे हैं, उन पर इसका क्या असर पड़ता है, वो इसे कैसे देखते हैं, यह फ़िल्म इसी बात को बहुत रोचक और आत्मीय ढंग से दिखाती है। फिल्म की कहानी एक सात साल की बच्ची पुतुल के नज़रिए से कही गई है। हम चाहते हैं कि इस फिल्म के माध्यम से समाज में इस विषय पर बात हो। उन्होंने कहा कि ऐसे विषयों पर फिल्में बननी चाहिए। विषय जो सीधे हमारे परिवार, जीवन और समाज से जुड़े हैं।

राधेश्याम पीपलवा की एक अन्य फिल्म 'मोग असूम' को भी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राधेश्याम पीपलवा और अंगेला बरगंजा द्वारा लिखित और निर्देशित तथा राधेश्याम पीपलवा, शरद मित्तल और अंगेला बरगंजा द्वारा निर्मित, कोंकणी भाषा की फिल्म मोग असूम (लेट तेरे बे लव) को मिला, यह एक बहुत ही अलग तरह की फिल्म है जहां मुख्य महिला कलाकार की कहानी में असमय जल्दी मृत्यु हो जाती है। दोनों पति पत्नी के मध्य बहुत ही गहरा स्नेह और समर्पण है और पति 2 छोटे बच्चों के साथ जीवन में अटक सा जाता है, मृत पत्नी वापस नीचे आती है, और पति और बच्चों का घर बसाना चाहती है, और पति ना बोलता है। यह फिल्म एक म्यूजिकल, पितरो को समर्पित प्यार की कहानी है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई है अभिनेत्री अंजलि पाटिल ने और साथ ही जिलियन पिंटू ने बहुत अच्छा काम किया। मुख्य कलाकार पूरब कोहली के साथ विक्रम आचार्य ने सुन्दर अदाकारी प्रस्तुत की।

एआई ऊर्जा संकट के समाधान के लिए मानव मस्तिष्क से ली रही प्रेरणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्रेटर नोएडा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्राद्योगिकी का जैसे-जैसे विकास हो रहा है, इसकी क्षमताओं और सीमाओं का आकलन अब इस क्रांति के अग्रणी लोगों द्वारा किया जा रहा है। उदाहरण के लिए ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन भारी-भरकम बिजली खपत का आकलन कर रहे हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि एआई को शक्ति प्रदान करने वाले डेटा केंद्र भारी मात्रा में बिजली की खपत करते हैं। अमेरिकी मीडिया ने हाल ही में बताया कि चैटजीपीटी का संचालन करने वाले ओपनएआई का लक्ष्य 2033 तक 250 गीगावाट ऊर्जा उत्पादन क्षमता का निर्माण करना है। इसे इस परिप्रेक्ष्य में देखें तो, विश्व के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश भारत की कुल स्थापित क्षमता ही जून 2025 में 476 गीगावाट थी। बुनियादी भौतिक स्तर पर, यह बिजली की खपत इसलिए होती है, क्योंकि मेमोरी और प्रोसेसर के बीच डेटा ले जाने में ही बहुत अधिक ऊर्जा खर्च हो जाती है। अगर हमारे उपकरण एक ही जगह पर डेटा की गणना और भंडारण कर सकें, तो इससे बिजली की खपत में भारी कमी आएगी।

'न्यूरोमॉर्फिक' हार्डवेयर यही करने का वादा करता है। 'न्यूरोमॉर्फिक' शब्द मस्तिष्क जैसी प्रणालियों और उपकरणों को संदर्भित करता है। मानव मस्तिष्क दक्षता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। आप अपने फोन पर नजर डालते हैं, कोई जानी-पहचानी धुन सुनते हैं, या रसोई से खाने की खुशबू आती है, और आपका मस्तिष्क तुरंत समझ जाता है कि क्या हो रहा है। यह सिर्फ महसूस ही नहीं करता; यह पहचानता है, निर्णय लेता है, और याद रखता है। यह जादू इसलिए होता है क्योंकि अरबों न्यूरॉन आपस में जुड़े होते हैं और एक साथ क्रिया करते हैं, तथा उनके बीच के सूक्ष्म 'जंक्शन', जिन्हें सिनेप्स कहा जाता है, प्रत्येक अनुभव के साथ अपनी शक्ति बदलते हैं। संवेदन, प्रसंस्करण और स्मृति का यह घनिष्ठ अंतर्संबंध हमें मात्र एक एलईडी बल्ब में इस्तेमाल बिजली के बराबर ऊर्जा का उपयोग करके चेहरों को पहचानने या कोई धुन गुनगुनाने में सक्षम बनाता है।

इसके विपरीत, पारंपरिक कंप्यूटर में एक साथ कई काम करने वाले उपकरण होते हैं। सेंसर डेटा इकट्ठा करते हैं, प्रोसेसर गणना करते हैं, और मेमोरी चिप्स परिणामों को संग्रहीत करते हैं। डेटा के प्रत्येक बिट को आगे-पीछे यात्रा करनी पड़ती है, जिससे समय और ऊर्जा की बर्बादी होती है। यह तथाकथित 'वॉन न्यूमैन' बाधा ही है जिसके कारण हमारी सबसे तेज चिप्स भी अत्याधिक ऊर्जा की जरूरत वाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ संघर्ष करती हैं।

'न्यूरोमॉर्फिक' उपकरण इस मॉडल को पूरी तरह बदल देते हैं। यहां, स्मृति और गणना एक साथ होती है, ठीक वैसे ही जैसे मस्तिष्क करता है। एक ऐसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की कल्पना कीजिए जो न केवल डेटा संग्रहीत कर सके या कोड का पालन कर सके, बल्कि दुनिया को समझ सके, उससे सीख सके और जो काम की चीज हो उसे याद रख सके। यह विचार, जो कभी विज्ञान कथा था, न्यूरोमॉर्फिक इलेक्ट्रॉनिक्स में एक वास्तविकता बन रहा है, जहां उपकरण छोटे दिमाग की तरह व्यवहार करने लगते हैं। ऐसे उपकरण केवल ऊर्जा संकट का ही समाधान नहीं करेंगे इससे परे जाएंगे।

ये कंप्यूटिंग शक्ति में वृद्धि के स्थिर स्तर को भी दूर करेंगे, जो मूर के नियम के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ रहा है, एक अनुमान के अनुसार, एक एकीकृत सर्किट पर ट्रांजिस्टरों की संख्या लगभग हर दो साल में दोगुनी हो जाती है।

'वी. शांताराम' का पहला पोस्टर हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा के लिए आज एक ऐतिहासिक पल सामने आया है क्योंकि सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने करियर की अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और महत्वाकांक्षी भूमिका निभाने जा रहे हैं और यह भूमिका है महान फिल्मकार वी. शांताराम की, जिसका फर्स्ट-लुक पोस्टर उन्होंने रिलीज़ कर दिया है। नए पोस्टर में सिद्धांत का लुक उस दौर की आत्मा के साथ उसकी रचनात्मकता को भी जीवित करता है, जिसके लिए वी. शांताराम जाने जाते थे। पोस्टर में वी. शांताराम बने सिद्धांत की बॉडी लैंग्वेज, नज़र और पूरी ऊर्जा इतनी प्रभावशाली है कि कलाकार और आइकॉन के बीच की रेखा मानो धुंधली हो गई है। माना जा रहा है कि सिद्धांत का यह ट्रांसफॉर्मेशन उनके करियर के लिए एक बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा, क्योंकि वह उस फिल्मकार की भूमिका निभाने जा रहे हैं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा की भाषा और दिशा को बदल कर रख दिया था।

बेंजामिन नेतन्याहू किन आरोपों का सामना कर रहे और उन्हें क्षमादान मिलने पर क्या दांव पर लगा होगा?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न।इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने खिलाफ लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार के मुकदमे में क्षमादान का अनुरोध किया है - इस कदम ने उनके आलोचकों के बीच खतरे की घंटी बजा दी है कि वह कानून के शासन को दरकिनार करने की कोशिश कर रहे हैं। एक वीडियो संदेश में नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल की वर्तमान 'सुरक्षा और राजनीतिक' स्थिति के कारण उनके लिए हफ्ते में कई बार अदालत में पेश होना असंभव है। इजराइली राष्ट्रपति से क्षमादान प्रदान करने का उनका अनुरोध वर्षों से चल रहे एक मामले में नवीनतम मोड़ मात्र है। इसका इजराइल की न्याय व्यवस्था और अगले साल होने वाले चुनावों के मद्देनजर नेतन्याहू के राजनीतिक भविष्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है। नेतन्याहू निर्विवाद रूप से आधुनिक इजराइली राजनीति के सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक व्यक्ति हैं। वह पहली बार 1996 में प्रधानमंत्री चुने गए थे और अब यह उनका छठा कार्यकाल है। उन पर विश्वासघात, धोखाधड़ी और विश्वासघात के आरोप लगाए गए हैं, जो 2016 से जारी जांचों से संबंधित हैं। अब तीन मामले संख्याओं के आधार पर ज्ञात हैं - केस 1,000, केस 2,000 और केस 4,000। मुकदमा 2020 में शुरू हुआ था।

केस 1,000 में, नेतन्याहू पर हॉलीवुड निर्माता अर्नोन मिलचन और ऑस्ट्रेलियाई अरबपति जेम्स पैकर से सिगार और शैंपेन सहित लगभग 2,00,000 अमेरिकी डॉलर (3,05,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर) मूल्य के उपहार प्राप्त करने का आरोप है। केस 2,000 प्रमुख येडियट अहरोनोट अखबार के प्रकाशक अर्नोन मोजेस के साथ नेतन्याहू की हुई कथित मुलाकातों से संबंधित है। अभियोजकों का कहना है कि मोजेस ने नेतन्याहू को उनके एक प्रतिद्वंद्वी अखबार पर प्रतिबंध लगाने के बदले में अनुकूल कवरेज की पेशकश की थी। अंतिम मामला यानी केस 4,000, एक संचार समूह 'बेजेक' से संबंधित है। अटॉर्नी-जनरल ने एक और पारस्परिक समझौते का आरोप लगाया है: इस आरोप के मुताबिक यह तय किया गया कि नेतन्याहू को ऑनलाइन मंच पर सकारात्मक रूप से चित्रित किया जाएगा, जिसके बदले में उन्हें नियामक परिवर्तनों का समर्थन करना होगा जिससे बेजेक के नियंत्रक शेयरधारक को लाभ होगा।

नेतन्याहू ने इन मामलों में किसी भी तरह की गड़बड़ी से लगातार इनकार किया है और कहा है कि वह साजिश का शिकार हैं। वर्ष 2021 में उन्होंने इन आरोपों को 'मनगढ़ंत और हास्यास्पद' बताया था।

वर्ष 2024 में उन्होंने कहा था कि ये जांचें शुरू से ही गलत मकसद से थीं और कोई अपराध था ही नहीं, इसलिए उन्होंने जबरन एक अपराध ढूंढ़ लिया। विशेषज्ञों ने बताया है कि किसी को किसी अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद ही क्षमादान दिया जा सकता है। लेकिन नेतन्याहू इस मामले में कोई जिम्मेदारी या अपराध स्वीकार करने की पेशकश नहीं कर रहे हैं, और संभवतः वह ऐसा कभी करेंगे भी नहीं। वह केवल क्षमादान प्रदान करने का अनुरोध कर रहे हैं, ताकि वह अपना काम जारी रख सकें।

हॉलीवुड में कुछ बड़ा करना चाहती हैं प्रियंका चोपड़ा

मुंबई/एजेन्सी

अपनी मेहनत और हौसले के बलबूते पर प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। हिंदी सिनेमा में भी एक्ट्रेस को काफी संघर्ष करना पड़ा, लेकिन अब वे ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं और बॉलीवुड-हॉलीवुड दोनों तरह की फिल्मों से फैंस का दिल जीत रही हैं। हालांकि, आज भी प्रियंका का कहना है कि हॉलीवुड में उन्हें बहुत कुछ करना है। प्रियंका चोपड़ा ने साल 2015 में अमेरिकी टीवी सीरीज 'क्वांटिको' से हॉलीवुड में कदम रखा और उसके बाद 'बेवॉच', 'इजंट इट रोमांटिक', 'द व्हाइट टाइगर', 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस', 'हेड्स ऑफ स्टेट्स', और एक्शन थ्रिलर सीरीज 'सिटाडेल' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया। अपनी हॉलीवुड जर्नी पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने आईएएनएस से कहा, मैं इन सब के बारे में थोड़ा सोचती हूं, क्योंकि एक कलाकार होने के नाते मुझे अंग्रेजी भाषा में अभी और भी काम करना है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत भी नहीं की है। मैंने हिंदी सिनेमा में लगभग हर तरह का काम किया है और अब मैं वैसा ही काम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करना चाहती हूं।

प्रियंका ने आगे कहा कि वे ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करना चाहती हैं जिनके किरदार या फिल्म संस्कृति से जुड़े हों और लोगों को उनसे प्रेरणा मिले। अपनी खुद की फिल्म प्रोडक्शन कंपनी पर्पल पेबल पिक्चर्स पर बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि वे 'बॉर्न हंग्री' जैसी और खूबसूरत कहानियों पर काम करना चाहती हैं। एक्ट्रेस निर्देशक बैरी एवरिच के साथ मिलकर और प्रोजेक्ट्स भी करना चाहती हैं। वे उनके काम करने के तरीके से बहुत प्रभावित हैं।बता दें कि 'बॉर्न हंग्री' डॉक्यूमेंट्री एक्ट्रेस के पर्पल पेबल पिक्चर्स के बैनर तले बनी है। डॉक्यूमेंट्री बीते साल 2024 में रिलीज हुई थी और डॉक्यूमेंट्री को वैश्विक स्तर पर अच्छा रिस्पांस मिला था। हॉलीवुड में अपनी धाक जमाने के साथ प्रियंका उन कलाकारों, निर्माताओं और निर्देशकों को भी सपोर्ट करना चाहती हैं, जिन्हें अपना हुनर दिखाने के लिए एक मंच या मौके की तलाश है। उन्होंने कहा कि हमें उन कलाकारों को आगे लाना पसंद है, चाहे वे फिल्म निर्माता हों, लेखक हों, अभिनेता हों, या कोई भी प्रतिभा हो जो दुनिया भर में अपनी पहचान बनाना चाहती हो। हम उन्हें एक मंच देना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिन फिल्म निर्माताओं, लेखकों और अभिनेताओं को एक वैश्विक मंच की ज़रूरत है, उनको सपोर्ट करना हमारा मेन फोकस रहता है।

अभिनेता मनोज पाहवा ने सुनाया 'सिंगल पापा' के सेट का मजेदार किस्सा

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग सेट पर ऐसे कई पल छिपे रहते हैं जो कलाकारों के लिए यादगार बन जाते हैं। कुछ पल मजेदार होते हैं, तो कुछ थोड़े चुनौतीपूर्ण और कुछ बिल्कुल उम्मीदों से परे होते हैं। ऐसा ही एक दिलचस्प किस्सा दिग्गज अभिनेता मनोज पाहवा ने कहा, उनकी आने वाली सीरीज 'सिंगल पापा' की शूटिंग से जुड़ा है। मनोज पाहवा ने बताया कि 'सिंगल पापा' के सेट पर चार महीने के बच्चे के साथ शूटिंग करते हुए उन्हें एक अनोखा अनुभव हासिल हुआ।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''इस बार बच्चे ने मुझे निराश कर दिया। मैंने अपने करियर की शुरुआत में 'जस्ट मोहब्बत' और 'बोल बेबी बोल' जैसे शो में बच्चों के साथ काफी काम किया है। उस समय बच्चों के साथ शूटिंग करना मेरे लिए एक अलग तरह का फायदा होता था। बच्चे अक्सर शूटिंग से अचानक गायब हो जाते थे, कभी घुड़सवारी करने चले जाते, कभी खेलने निकल पड़ते। ऐसे में शूटिंग रुक जाती थी और कलाकारों को बीच-बीच में आराम भी मिल जाया करता था।''

उन्होंने कहा, ''इसी पुराने अनुभव के आधार पर मैंने मान लिया था कि इस बार भी कुछ ऐसा ही होगा। मैंने सोचा था कि चार महीने का बच्चा है, बीच-बीच में रोएगा, शूट रुक जाएगा और मुझे भी थोड़ा ब्रेक मिल जाएगा। लेकिन मेरी उम्मीदें पूरी तरह गलत साबित हुईं। इस बार का छोटा कलाकार बेहद अलग निकला।'' मनोज ने हंसते हुए कहा, ''बच्चा इतना प्रोफेशनल था कि मैं खुद चौंक गया।

वह बिलकुल शांत रहता था, कैमरे की तरफ आसानी से देख लेता था और किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं आने देता था।'' उन्होंने मजाक करते हुए कहा कि लगता है जैसे वह मां के पेट से ही अभिनय सीखकर आया हो। सीरीज 'सिंगल पापा' में मनोज पाहवा के साथ कुणाल खेमू, आयशा रजा और प्राजक्ता कोली भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी कुणाल खेमू का किरदार गौरव गहलोत उर्फ 'जीजी' के इर्द-गिर्द घूमती है। जीजी का स्वभाव थोड़ा बचकाना है।

तलाक के तुरंत बाद वह एक बच्चा गोद लेने का फैसला करता है, जिससे उसका परिवार हक्का-बक्का रह जाता है। उन्हें यकीन ही नहीं होता कि जो आदमी अपनी जुराबें कहीं रखकर भूल जाता है, वह एक बच्चे की जिम्मेदारी कैसे उठा पाएगा। इसी उलझन और हलचल के बीच परिवार के भीतर कई मजेदार और भावुक स्थितियां पैदा होती हैं, जो कहानी को आगे बढ़ाती हैं।

इस सीरीज को इशिता मोइत्रा और नीरज उधवानी ने मिलकर बनाया और लिखा है। शशांक खेतान इसके एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। निर्देशन नीरज उधवानी और हितेश केवल्या ने किया है। वहीं, इसका निर्माण जगरनॉट प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। कॉमेडी, पारिवारिक ड्रामा और भावनाओं का मिश्रण लेकर आने वाली सीरीज 'सिंगल पापा' 12 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

जया बच्चन के पैपराजी वाले बयान पर भड़के अशोक पंडित, बताया घमंडी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और राज्यसभा सांसद जया बच्चन अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। एक बार फिर से उनका पैपराजी और मीडिया को लेकर दिया बयान छाया हुआ है। इस पर फिल्म मेकर-सोशल वर्कर अशोक पंडित ने कड़ी आपत्ति जताई है। पैपराजी के खिलाफ दिए जया बच्चन के बयान पर आपत्ति जताते हुए अशोक पंडित ने इंस्टाग्राम हैंडल पर लंबी पोस्ट में एक्ट्रेस को 'घमंडी एलीटिज्म' दिखाने का आरोप लगाया। अशोक पंडित ने लिखा, पैपराजी के खिलाफ जया बच्चन जी का बयान घमंडी एलीटिज्म जैसा लगता है। कुछ पैप्स की आक्रामक कवरेज की आलोचना करना अलग बात है, लेकिन पूरे प्रोफेशन को क्लासिस्ट अंदाज में नीचा दिखाना हमारी फिल्म इंडस्ट्री के इतने सीनियर सदस्य और सांसद को शोभा नहीं देता।

उन्होंने आगे कहा कि पैपराजी मेहनती प्रोफेशनल हैं, जो अपना काम कर रहे हैं। ज्यादातर मौकों पर खुद स्टार्स और उनकी पीआर टीम ही उन्हें बुलाती है। पंडित ने लिखा, अगर पैपराजी कल्चर के खिलाफ उनकी इतनी मजबूत राय है तो इस गलत गुस्से में दूसरों को कोसने की बजाय खुद के अंदर झांकने का समय आ गया है।अशोक पंडित की पोस्ट पर कई यूजर्स पंडित के पक्ष में खड़े नजर आ रहे हैं तो कुछ जया बच्चन का बचाव भी करते दिखे।जया बच्चन लंबे समय से पैपराजी की आक्रामक फोटोग्राफी से नाराज रही हैं और कई बार सार्वजनिक रूप से उन्हें डांट भी चुकी हैं। गौरतलब है कि हाल ही में एक इवेंट में भी जया बच्चन ने पैपराजी से नाराजगी जताई थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। एक इवेंट में जया बच्चन पैपराजी और मीडिया के साथ अपने रिश्ते पर बात करती नजर आईं। जया ने बताया कि मीडिया के साथ उनके रिश्ते बहुत अच्छे हैं, लेकिन पैपराजी के बारे में उनकी सोच ऐसी नहीं है। उन्होंने पैपराजी के ड्रेसअप की आलोचना करते हुए कहा कि हाथ में मोबाइल फोन लेकर सेलिब्रिटीज की तस्वीरें लेना क्या सही है और वे प्राइवेसी में भी सेंध लगा देते हैं।

बॉर्डर-2: सामने आया दिलजीत दोसांझ का पहला लुक

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म 'चमकीला' से दर्शकों पर अपने अभिनय से छाप छोड़ने वाले एक्टर दिलजीत दोसांझ बहुत जल्द फिल्म 'बॉर्डर-2' से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। फिल्म में दिलजीत दोसांझ का पहला लुक सामने आ गया है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ भारतीय वायुसेना के बहादुर फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों का रोल प्ले कर रहे हैं, जिन्होंने अपने अदम्य साहस से 1971 में पाकिस्तानी के लड़ाकू विमानों के परखच्चे उड़ा दिए थे। सिंगर का लुक काफी प्रॉमिसिंग लग रहा है। दिलजीत दोसांझ ने 'बॉर्डर-2' से अपना पहला लुक शेयर किया है, जिसमें वे बड़ी मूछों और चेहरे पर जोश के साथ लड़ाकू विमान के अंदर बैठे दिख रहे हैं। वे खून से लथपथ हैं। लुक को शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, इस देश के आसमान में गुरु के बाज पेहरा देते हैं। फैंस भी सिंगर के लुक को देखकर हैरान हैं।

एक यूजर ने तारीफ करते हुए लिखा, बॉर्डर 2 से आपकी पहली झलक वाकई कमाल की है। 23 जनवरी 2026 को लॉन्च के लिए बिल्कुल सही समय है। भारत माता की जय। एक ने लिखा, बॉर्डर 2 में

दिलजीत कमाल लग रहे हैं। सनी और वरुण ने पहले ही आसमान छू लिया है। अब इस गणतंत्र दिवस धमाके का बेसब्री से इंतजार है। इससे पहले 'बॉर्डर-2' से वरुण धवन का लुक रिवील किया गया था। वरुण फिल्म में मेजर होशियार सिंह दहिया का रोल प्ले कर रहे हैं। मेजर होशियार सिंह दहिया 1957 में जाट रेजिमेंट का हिस्सा थे और 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बताया जाता है कि पाकिस्तान की एक बटालियन ने मेजर और उनके सिपाहियों पर हमला कर दिया था, लेकिन घायल होने के बाद भी उन्होंने कई शत्रु सैनिकों को अकेले मार गिराया था।फिल्म में सनी देओल मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी का रोल प्ले करेंगे, जो उन्होंने 'बॉर्डर' के पहले पार्ट में भी निभाया था।

इसके अलावा फिल्म में मोना सिंह, अहान शेट्टी और सोनम बाजवा भी शामिल हैं।बता दें कि फिल्म को प्रोड्यूस भूषण कुमार, जे.पी. दत्ता, निधि दत्ता और कृष्ण कुमार कर रहे हैं, जबकि फिल्म को बॉर्डर ने डायरेक्ट किया है। फिल्म 'बॉर्डर' 1997 में रिलीज हुई थी, जिसे भारत-पाकिस्तान युद्ध पर बनाया गया था। फिल्म के गाने और कहानी फैंस को बहुत पसंद आई थी और फिल्म ने लगभग 39.6 करोड़ रुपए की कमाई की थी। फिल्म का बजट मात्र 10 करोड़ रुपए था। पहली फिल्म के हिट के बाद ही मेकर्स ने फिल्म का दूसरा पार्ट बनाने का फैसला किया है।

न्यायालय ने निर्वाचन आयोग से केरल में एसआईआर की समयसीमा बढ़ाने पर विचार करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग से कहा कि वह केरल में जारी मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गणना-प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि (11 दिसंबर) को एक सप्ताह और बढ़ाने पर विचार करे। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस दलील पर ध्यान दिया कि केरल में स्थानीय निकाय चुनाव नौ और 11 दिसंबर को होंगे तथा मतगणना 13 दिसंबर को समाप्त होगी।

पीठ ने इस तथ्य का भी संज्ञान लिया कि राज्य में स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया में लगभग 1.76 लाख राज्य सरकार के कर्मचारी लगे हुए हैं और इसलिए, उन्हें चुनाव निकाय द्वारा निर्धारित समय सीमा 11 दिसंबर तक गणना-प्रपत्र जमा करने में कठिनाई हो सकती है। प्रधान न्यायाधीश ने शिकायतों पर ध्यान देते हुए केरल सरकार और अन्य याचिकाकर्ताओं को एसआईआर की समयसीमा बढ़ाने के अनुरोध को लेकर बुधवार शाम पांच बजे तक निर्वाचन आयोग को एक औपचारिक अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता दी।

इसने निर्वाचन आयोग से कहा कि वह अभ्यावेदन पर 'सहानुभूतिपूर्वक और निष्पक्ष रूप से' विचार करे और अभ्यावेदन पर दो दिनों के भीतर निर्णय ले। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, यदि गणना की तिथि 13 दिसंबर से आगे बढ़ाई जाती है, तो स्थानीय निकाय चुनावों के कारण छूटे हुए लोग इसमें भाग ले सकते है। पीठ ने कहा, यह प्रस्तुत किया जाता है कि चुनाव प्रक्रिया (स्थानीय निकायों के लिए) 13 दिसंबर को समाप्त हो जाएगी। निर्वाचन आयोग का प्रतिनिधित्व कर रहे श्री राकेश द्विवेदी ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के सुचारु संचालन के लिए राज्य ने 1,76,000 कर्मचारी और एसआईआर के लिए 25,468 कर्मचारी तैनात किए हैं। एसआईआर 11 दिसंबर तक समाप्त हो जाएगा।

पीठ ने कहा, यह बताया गया है कि 98 प्रतिशत से अधिक गणना-प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं और 88 प्रतिशत से अधिक डिजिटल हो चुके हैं। राज्य निर्वाचन आयोग का कहना है कि उसके द्वारा तैनात सभी कर्मचारियों को एसआईआर ड्यूटी से छूट दी गई है। पीठ ने कहा, केरल राज्य निर्वाचन आयोग से कल शाम पांच बजे तक तारीख बढ़ाने के सभी कारण बताते हुए अनुरोध करें, बशर्ते पहले अनुरोध नहीं किया गया हो। पीठ ने आगे कहा कि निर्वाचन आयोग इस पर 'सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगा और परसों तक निर्णय लेगा'।

कार्यवाही के दौरान निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह ने जारी कवायद का बचाव करते हुए तर्क दिया कि स्थानीय चुनाव और एसआईआर अलग-अलग कार्य हैं और इनके लिए अलग-अलग कार्यबल की आवश्यकता होती है। द्विवेदी ने कहा, केरल राज्य निर्वाचन आयोग ने पहले ही एसआईआर कर्मचारियों को स्थानीय चुनाव ड्यूटी से छूट दे दी है। उन्होंने कहा कि गणना-प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि चार दिसंबर से बढ़ाकर 11 दिसंबर की गई है। सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने कहा, सरकारी निकाय को कोई समस्या नहीं है, लेकिन राजनीतिक दलों को है।

मुलाकात

समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव, आनंद भदौरिया, प्रिया सरोज, इकरा चौधरी, डिंपल यादव, कृष्णा देवी शिवशंकर और दूसरे लोग संसद के विंटर सेशन के दौरान।

तमिलनाडु सरकार ने करूर भगदड़ मामले में सीबीआई जांच का आदेश वापस लेने का अनुरोध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने करूर भगदड़ की सीबीआई जांच के निर्देश संबंधी 13 अक्टूबर के शीर्ष अदालत के आदेश को वापस लेने और मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा गठित एसआईटी जांच की अनुमति देने का अनुरोध किया है। करूर भगदड़ में 41 लोग मारे गए थे। राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय में दाखिल जवाब में कहा कि स्थानीय पुलिस और विशेष जांच टीम (एसआईटी) गहन और निष्पक्ष जांच करने के लिए पूरी तरह सक्षम हैं तथा केंद्रीय एजेंसी के हस्तक्षेप के लिए कोई असाधारण परिस्थितियां मौजूद नहीं हैं। राज्य सरकार ने दलील दी कि 13 अक्टूबर को तीन सदस्यीय पर्यवेक्षी समिति की निगरानी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच का निर्देश देने वाले अंतरिम आदेश ने एक तरह से याचिका को मंजूरी दे दी है जबकि सुनवाई योग्य नोटिस पर निर्णय लिया जा सकता था। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की 27 सितंबर को रैली के दौरान मची भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई और 60 से ज़्यादा घायल हो गए। राज्य सरकार के अनुसार, करूर जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों पर लापरवाही या कर्तव्यहीनता का आरोप पूरी तरह से निराधार है। राज्य सरकार ने कहा, रिकॉर्ड स्पष्ट रूप से स्थापित करते हैं कि जिला प्रशासन और पुलिस ने अत्यंत तत्परता, दूरदर्शिता और सभी वैधानिक और प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपायों के अनुपालन के साथ काम किया।

तमिलनाडु सरकार ने कहा, 606 पुलिसकर्मियों और होमगार्ड के साथ व्यापक इंतजाम किए गए थे, जिसकी निगरानी मध्य क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक और करूर जिले के पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने की। कार्यक्रम स्थल का चयन, पहुंच मार्ग, चिकित्सा तैयारी और यातायात प्रबंधन योजनाएं, सभी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के दिशानिर्देशों के अनुरूप बनाई गईं। तमिलनाडु सरकार ने आरोप लगाया कि मुख्य याचिकाकर्ता जी एस मणि का राजनीति से प्रेरित मुकदमे दायर करने का रिकॉर्ड रहा है, और वर्तमान याचिका राजनीतिक विमर्श के लिए न्यायिक प्रक्रिया का इस्तेमाल करने का एक और प्रयास है। शीर्ष अदालत ने भगदड़ की सीबीआई जांच का आदेश देते हुए कहा था कि इस घटना ने राष्ट्रीय चेतना को झकझोर दिया है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यह आदेश अभिनेता-नेता विजय की पार्टी टीवीके द्वारा स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिका पर दिया गया था। एसआईटी और एक सदस्यीय जांच आयोग की नियुक्ति के निर्देशों को निलंबित करते हुए उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु से केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों को पूर्ण सहयोग देने को कहा था।

कर्नाटक के चिक्कमगलुरु में मंगलवार को कन्नड़ हनुमान जयंती सेलिब्रेशन के हिस्से के तौर पर लोग भगवान अंजनेया के स्केच देखते हुए।

परमात्मा, गुरु व परिवार से हमेशा कनेक्ट रहना चाहिए : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पार्श्व सुशील धाम से विहार कर सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक संप्रदायवर्ती साध्वी भव्यगुणाश्रीजी व शीतलगुणाश्रीजी होसूर पहुंचीं। इस मौके पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए साध्वी भव्य गुणाश्रीजी ने कहा कि संसार में इतना भी व्यस्त नहीं रहना है कि मुख्य सर्वर (परमात्मा, गुरु, परिवार) से संबंध टूट जाए, अन्यथा जीवन में गड़बड़ होगी ही।

ध्यान रहे मुख्य सर्वर से संबंध हमेशा जुड़ा होना चाहिए, क्योंकि मनुष्य का मस्तिष्क एक छोटे से डिवाइस जैसा है जो यूनिवर्सल से कनेक्ट रहने पर ठीक से कार्य करता है। अपने दुखों के लिए दुनिया को दोषी नहीं मानना चाहिए, ये कर्मफल है भोगना ही पड़ेगा, बस अपने मन को परिवर्तित करना है, हमारे दुखों का अंत स्वयं हो ही जाएगा। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि प्रकृति खुशी और आनंद का भंडार है। यह दिव्य सौंदर्य का एक शाश्वत स्रोत है। यह व्यक्ति के लिए एक दोस्त, गाइड और केयरटेकर और एक हीलिंग टच है। एक बीमार शरीर या टूटे हुए मन को प्रकृति की गोद में आने से बहुत साहस और आराम महसूस होता है यह व्यक्ति को नई ऊर्जा और जज्बात प्रदान करता है। प्रकृति परमात्मा का स्वरूप है। ज्ञान का सही उपयोग ही विजेता को अन्य लोगों से अलग बनाता है। साध्वियों की विहार सेवा का लाभ अर्हम ग्रुप के जीतु जैन, हितेश जैन, गौतमचंद जैन ने लिया। होसूर संघ ने सभी को धन्यवाद दिया।

निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ 4 को

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में मगसर पूर्णिमा के अवसर पर 4 दिसम्बर को बन्नरघट्टा रोड रांका कालोनी स्थित निर्माणाधीन श्री सालासर बालाजी मन्दिर पर दोपहर 3 बजे से संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में नारायण बाहेती एंड पार्टी द्वारा संगीतमय पाठ किया जाएगा तथा बालाजी महाराज को अमृत भोग लगाया जाएगा। इस कार्यक्रम के लाभार्थी सतीश मित्तल परिवार है। उपाध्यक्ष सतीश मित्तल ने बताया कि हर महीने की पूर्णिमा को मंदिर प्रांगण पर सुंदरकांड का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है ।

चक्रवात के बाद आपातकालीन प्रतिक्रिया में भारत ने अग्रणी भूमिका निभाई: श्रीलंकाई राष्ट्रपति कार्यालय

कोलंबो/भाषा

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि चक्रवात दित्वा के बाद भारत ने तत्काल आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभाई है। इस चक्रवात में 400 से अधिक लोग मारे गए और व्यापक तबाही हुई।

राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से बात कर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दोहराया कि भारत इस कठिन घड़ी में श्रीलंका और उसके लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है।''

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को दिसानायके से बात की और उन्हें चक्रवात दित्वा से प्रभावित सभी क्षेत्रों में पुनर्वास प्रयासों में निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

टेलीफोन पर बातचीत में मोदी ने श्रीलंका में हुई जान-माल की हानि और तबाही पर संवेदना व्यक्त की और कहा कि भारत इस मुश्किल घड़ी में द्वीपीय राष्ट्र के लोगों के साथ पूरी एकजुटता और समर्थन के संग खड़ा है। श्रीलंका चक्रवात दित्वा के कारण व्यापक बाढ़, भूस्खलन और बुनियादी ढांचे को नुकसान से जूझ रहा है, जिससे कई जिले अलग-थलग पड़ गए हैं और देश की आपदा-प्रतिक्रिया क्षमता पर भारी दबाव पड़ रहा है।

आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने 16 नवंबर से चरम मौसम की स्थिति के कारण आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन में मंगलवार सुबह तक कम से कम 410 लोगों की मौत और 336 लोगों के लापता होने की पुष्टि की है। भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के 80 कर्मियों वाली दो शहरी खोज और बचाव टीम को द्वीपीय राष्ट्र में भेजा, जिससे 'पड़ोसी पहले' की भावना की पुष्टि हुई। इसके अलावा, मंगलवार को यह घोषणा की गई कि श्रीलंका बाढ़ राहत सामग्री को सीमा शुल्क और लेवी से मुक्त करने की अनुमति देगा, बशर्ते कि वे आपदा प्रबंधन महानिदेशक या रक्षा मंत्रालय के सचिव के नाम पर भेजी जाएं।

मोदी ने दंडक्रम परायणम् पूरा करने के लिए देवव्रत महेश रेखे की सराहना की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को बिना किसी रुकावट के 50 दिनों में दंडक्रम परायणम् पूरा करने के लिए बधाई दी है, जिसमें शुक्ल याजुर्वेद की मध्यंदिनी शाखा के 2000 मंत्र शामिल हैं। वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे (19) ने काशी में आयोजित एक सभा में दंडक्रम परायणम् पूरा करने की उपलब्धि हासिल की, जिसे उसके जटिल ध्वन्यात्मक विन्यासों के कारण वैदिक पाठ का 'सर्वोच्च मुकुट' माना जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''उन्नीस वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे ने जो कार्य किया है, उसे आने वाली पीढ़ियां सदियों तक याद रखेंगी। भारतीय संस्कृति के प्रति जुनूनी हर व्यक्ति को उन पर गर्व है कि उन्होंने बिना किसी रुकावट के 50 दिनों में दंडक्रम परायणम् को पूरा किया, जिसमें शुक्ल आयुर्वेद की मध्यंदिनी शाखा के 2000 मंत्र शामिल हैं। इसमें कई वैदिक ऋचाओं और पवित्र शब्दों का निर्विघ्न पाठ शामिल है। वे हमारी गुरु-परंपरा के श्रेष्ठतम स्वरूप का प्रतीक हैं।'' उन्होंने कहा, ''काशी के सांसद के रूप में, मुझे प्रसन्नता है कि यह असाधारण उपलब्धि इस पवित्र शहर में हुई। उनके परिवार, पूरे भारत के कई साधुओं, ऋषियों, विद्वानों और संगठनों को मेरा प्रणाम, जिन्होंने उनकी सहायता की।'' शृंगेरी मठ के अनुसार, परायणम् का आयोजन 2 अक्टूबर से 30 नवंबर तक वल्लभराम शालिग्राम सांगवेद विद्यालय में किया गया और काशी की कई धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं ने इसमें योगदान दिया।

'टॉई यंग एन्टरप्रेन्योर' में संभावित युवा उद्यमियों ने दिखाया अपना कौशल

'डरमाड्राई टीम' बनी विजेता और 'कवरसेफ टीम' बने उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ लेडीज विंग, यूथ विंग, जेआईटीईएम और जेआईआईएफ द्वारा टीआईई एवं टीआईई ग्लोबल के साथ मिलकर 'टॉई यंग एन्टरप्रेन्योर' कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें विद्यार्थियों को उद्यमिता की दुनिया से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। राजाजीनगर कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को बड़ा सपना देखने और उसे पूरा करने का साहस विकसित करना है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्टार्टअप निर्माण से लेकर वास्तविक बिज़नेस समस्याओं को समझने तक के व्यापक अनुभव दिए गए, जिससे उनमें नवाचार, नेतृत्व और समाधान आधारित सोच को मजबूती मिली। कार्यक्रम के आयोजन में नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी, जेआईटीईएम के संयोजक प्रीतेश जैन, जेआईआईएफ के संयोजक पंकज बालर, लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना का सहयोग रहा।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को उद्यमिता यात्रा की शुरुआत कैसे करें, जुनून को स्केलेबल बिज़नेस में बदलना, ग्राहक की समस्या को समझना और डिज़ाइन थिंकिंग, तेज़ी से प्रोटोटाइप बनाना, कौशल मूल्यांकन और टीम वर्क, स्टार्टअप गणित, लीन कैनवास मॉडल की समझ और प्रभावी प्रस्तुतीकरण कला को विभिन्न कार्यशाला के माध्यम से समझाया। प्रतियोगिता में कुल पाँच टीमों ने अपने अभिनव आइडियाज प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में 'डरमाड्राई टीम' विजेता बनी, जिसमें प्रणव, युवाल, खुश, लक्ष्य और आरुष शामिल थे। इस टीम ने हाइपरहाइड्रोसिस से पीड़ित करोड़ों लोगों के लिए एक अत्यंत उपयोगी और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत कर निर्णायकों को प्रभावित किया। विजयी टीम अब अगले चरण में क्षेत्रीय फाइनल्स में विभिन्न शहरों की शीर्ष टीमों का सामना करेगी, जहाँ से चयनित होने पर उन्हें जून 2026 में होने वाले ग्लोबल फाइनल्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका प्राप्त होगा। प्रतियोगिता में 'कवरसेफ टीम' रनर-अप रही, जिसमें ध्रुवीन, मनन, श्रेणिक और मिशिका ने अपने स्पष्ट प्रस्तुतिकरण से जूरी को प्रभावित किया।

आदर्श ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशंस ने 'ओपन डे' में विद्यार्थियों के भविष्य पर फोकस किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचंद नाहर आदर्श पीयू कॉलेज में 'ओपन डे 2025' का आयोजन किया जिसमें शहर के विभिन्न स्कूलों के 10 कक्षा के विद्यार्थियों ने भाग लिया और कॉलेज परिसर का भ्रमण कर कंप्यूटर, साइंस, कॉमर्स और भाषा लैब, लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स फैसिलिटी और अलग-अलग डिसिप्लिन के एक्टिविटी ज़ोन के बारे में जानकारी प्राप्त की। एक हफ्ते तक चलने वाले इस कार्यक्रम में रोजाना विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक विद्यार्थी आ रहे हैं। आदर्श कॉलेज द्वारा भविष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को शिक्षण अनुभव, लाइव डेमोंस्ट्रेशन, मैथेफिसेंट जैसे इंटरैक्टिव गेम्स और कोर्स के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है ताकि भविष्य में विद्यार्थियों को 'आदर्श संस्थान' के साइंस और कॉमर्स पाठ्यक्रम को चुनने में आसानी हो। इस नई पहल को संस्थान के अध्यक्ष पदमराज मेहता, सचिव जितेन्द्र मरड़िया, प्राचार्य डॉ. एस प्रशांत की दूरदर्शिता के आधार पर शुरू किया गया ताकि दूसरे स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा के बाद अपने भविष्य चुनने में सहूलियत हो।

ज्योति निवास कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ज्योति निवास कॉलेज की राष्ट्रीय कैडेट कोर की कर्नाटक गर्ल्स बटालियन ने विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को लायंस ब्लड बैंक के सहयोग से परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न विभागों के विद्यार्थी और पाँच कैडेट्स की सक्रिय भागीदारी से कुल 66 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करना और जनस्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सिस्टर मेरी लुईसा सेबास्टियन, कॉलेज प्रशासिका सिस्टर साजिदा जोस तथा एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर कैप्टन डॉ. एचके रूपा रानी, पीआई स्टाफ सूबेदार श्रीनिवासुलूकी उपस्थिति में यह आयोजन किया गया।

कैप्टन डॉ. एचके रूपा रानी सहित एनसीसी की आन्या सिंह जाडोन, वंशिका कुमावत, कैडेट रोशनी, कैडेट श्रेया के. और कैडेट सिंधु वी. ने भी रक्तदान किया।

श्रद्धासुमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के लग्गेरे स्थित डॉक्टर विष्णुवर्धन कन्नड़ अभिमानी संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दिवंगत कन्नड़ अभिनेता विष्णुवर्धन के चित्र पर पुष्प अर्पित करके अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**